ALIVE NEWS

अलाईव न्यूज

Any Enquiry Cont. : 0129-4070270

खबर वही, जो जिंदा रहे!

Vol. 14 Issue No. 18 Faridabad (NCR) Thurday, 16-31 October 2025 Rate : 5 /- RNI No. : HARBIL/2012/45536 Postal Registration No. L-2/HR/FBD/296/24-26 Page : 8

धूं-धूंकर जल उठी ट्रेन, गरीब रथ के तीन डिब्बे जलकर हुए खाक

चंडीगढ़ (एजेंसी)। लुधियाना से दिल्ली जा रही सहरसा गरीब रथ एक्सप्रेस (नंबर-12204) में अचानक लगी आग से दहशत फैल गई। ये हादसा उस वक्त हुआ जब ट्रेन सरहिंद स्टेशन से निकलकर मुश्किल से आधा किलोमीटर आगे बढ़ी ही थी कि यात्रियों ने एक कोच से धुआं उठते देख लिया। थोड़ी ही देर में तीन डिब्बे जलकर हुए खाक हो गए। बाद में रेलकर्मियों की तत्परता से नियंत्रण पा लिया। गनीमत रही कि किसी तरह का कोई नुकसान नहीं हुआ। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि यह घटना सुबह करीब 7.30 बजे हुई। जैसे ही आग का पता चला, रेलवे कर्मचारियों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रभावित डिब्बे को खाली कराया और फायर टीमों की मदद से आग पर काबू पाया गया। उन्होंने कहा कि आग सीमित हिस्से में थी और उसे जल्द ही बुझा लिया गया। रेलवे के आधिकारिक बयान में कहा गया है कि, अमृतसर-सहरसा गरीब रथ एक्सप्रेस (12204) के एक कोच में सरहिंद स्टेशन पर आग देखी गई। रेलवे अधिकारियों ने तुरंत यात्रियों को अन्य कोचों में शिफ्ट किया और आग बुझा दी गई। किसी भी यात्री को कोई नुकसान नहीं हुआ। ट्रेन जल्द ही अपने गंतव्य की ओर रवाना होगी। स्थानीय पुलिस अधिकारी के अनुसार, सूचना मिलते ही पुलिस और रेलवे की टीमें मौके पर पहुंच गईं। यात्रियों को सुरक्षित रूप से शिफ्ट किया गया। उन्होंने बताया कि स्थिति अब पूरी तरह नियंत्रण में है और सभी यात्री सुरक्षित हैं। हालांकि, एक महिला यात्री घायल हो गई हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में एडमिट कराया गया है। फिलहाल आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। रेलवे और पुलिस की टीमें मौके पर मौजूद हैं और ट्रैक को फिर से चालू करने की प्रक्रिया चल रही है।

रक्षा मंत्री ने ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइलों की पहली खेप को हरी झंडी दिखाते हुए कहा

अब पाकिस्तान की एक-एक इंच जमीन 'ब्रह्मोस' की पहुंच में है : राजनाथ सिंह

लखनऊ (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को ऑपरेशन सिंदूर की सफलता की सराहना करते हुए कहा कि भारत की सैन्य ताकत उस मुकाम पर पहुंच गई है जहां जीत एक आदत बन गई है। लखनऊ में एक जनसभा को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा, ÷ऑपरेशन सिंदूर ने साबित कर दिया है कि जीत अब हमारे लिए कोई मामूली बात नहीं है। जीत हमारी आदत बन गई है।÷ राजनाथ सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ स्थित ब्रह्मोस एयरोस्पेस इकाई में निर्मित ब्रह्मोस मिसाइलों की पहली खेप को हरी झंडी दिखाई।

बयान में कहा गया है कि ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइल प्रणाली के निर्माता ब्रह्मोस एयरोस्पेस ने लखनऊ के सरोजिनी नगर स्थित अपने नए एकीकरण और परीक्षण केंद्र से इस मिसाइल प्रणाली की पहली खेप का सफलतापूर्वक उत्पादन किया है। उन्होंने सशस्त्र बलों की सटीकता और तैयारी की प्रशंसा करते हुए कहा कि भारत के दुश्मन अब देश की उन्नत मिसाइल क्षमताओं से बच नहीं सकते। रक्षा मंत्री ने कहा, 'देश को विश्वास है कि हमारे दुश्मन अब ब्रह्मोस से बच नहीं पाएंगे। पाकिस्तान की हर इंच ज़मीन अब हमारे ब्रह्मोस की पहुँच में है।'

राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में जो हुआ वह तो बस एक ट्रेलर था। लेकिन उस ट्रेलर ने ही पाकिस्तान को यह एहसास करा दिया कि अगर भारत पाकिस्तान को जन्म दे सकता है, तो मुझे इस बारे में और कुछ कहने की जरूरत नहीं है कि वह और क्या कर सकता है। उन्होंने कहा कि हर एक मिसाइल सिर्फ हमारी रक्षा नहीं करती, बल्कि हमारी अर्थव्यवस्था को भी ताक़त दे रही है। मिसाइल के उत्पादन से मिलने वाले टैक्स से, सरकार कई स्कूल बना सकती है, कई हॉस्पिटल खड़े कर सकती है, और ऐसी योजनाएं चला सकती है, जो सीधे आम आदमी की ज़िंदगी को बेहतर करें। यानी ब्रह्मोस सिर्फ हथियार नहीं है, यह हमारे बच्चों के लिए शिक्षा, हमारे परिवारों के लिए स्वास्थ्य देखभाल और पूरे समाज के लिए अवसरका रास्ता भी खोलता है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि मुझे पूरा यकीन है, कि आने वाले समय में यह ह्य4ठुद्दह्द4 और मज़बूत होगी, और ब्रह्मोस जैसी परियोजनाएं, न सिर्फ हमें दुश्मन पर बढ़त दिलाएंगी, बल्कि हर भारतीय नागरिक के जीवन में नई रोशनी भी लेकर आएंगी। उन्होंने कहा कि ब्रह्मोस जैसी उपलब्धियाँ हमें यह विश्वास दिलाती हैं, कि 'मेड इन इंडिया' अब सिर्फ़ एक नारा नहीं, बल्कि एक वैश्विक ब्रांड बन चुका है। और यह ब्रांड अब पूरी दुनिया में सम्मान पा रहा है

दशकों से अंधकार में डूबे इलाकों में अब विकास और खुशहाली के दीये जलेंगे

पीएम मोदी ने कहा- वह दिन दूर नहीं जब देश माओवादी आतंक से मुक्त होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा है कि अब वह दिन दूर नहीं जब देश माओवादी आतंक से पूरी तरह मुक्त होगा। उन्होंने विश्वास दिलाया कि दशकों से अंधकार में डूबे इलाकों में अब विकास और खुशहाली के दीये जलेंगे। पीएम मोदी ने यह बात एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। जहां उन्होंने नक्सलवाद के खात्मे और देश के सर्वांगीण विकास को लेकर अपनी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मोदी ने कहा कि बीते 50-55 सालों में माओवादी आतंक ने हजारों निर्दोष लोगों और सुरक्षाकर्मियों की जान ली है। उन्होंने कितने ही परिवार तबाह किए। ये नक्सली इलाके में स्कूल और अस्पताल नहीं बनने देते , जो बने भी थे, उन्हें बम से उड़ा देते थे। विकास की रोशनी से देश का बड़ा हिस्सा दशकों तक वंचित रहा।

पीएम मोदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस शासन में 'अर्बन नक्सल' इतने प्रभावशाली थे कि माओवादी आतंक की सच्चाई आम जनता तक न पहुंचे, इसके लिए सेंसरशिप लगाई जाती थी। उन्होंने कहा कि देश का करीब हर बड़ा राज्य नक्सली हिंसा की चपेट में था। जहां बाकी देश में संविधान लागू था, वहीं रेड कॉरिडोर में उसका कोई नाम लेने वाला नहीं था।

पीएम मोदी ने कहा कि जो लोग आज संविधान की किताब लेकर सड़कों पर नाचते हैं, वे वही हैं जो इन माओवादी आर्तकियों की रक्षा के लिए रात-दिन सक्रिय हैं। उन्होंने कहा कि यह केवल सुरक्षा का नहीं बल्कि सामाजिक और आर्थिक न्याय का भी सवाल है, क्योंकि माओवादी आतंक से सबसे ज्यादा नुकसान हमारे आदिवासी, दलित और गरीब भाइयों-बहनों को उठाना पड़ा है। पीएम ने 2014 के बाद हुए बदलावों का उल्लेख करते हुए कहा कि अब माओवादी हिंसा सिमट रही है और विकास योजनाएं उन क्षेत्रों तक पहुंच रही हैं, जहां कभी सरकारी कर्मचारी भी जाने से डरते थे। उन्होंने कहा अब वहां भी खुशियों के दीये जलेंगे। ये मोदी की गारंटी है।

पीएम मोदी ने कहा कि माओवादी आतंक का अंत केवल कानून से नहीं बल्कि विकास से होगा। जब हर गांव तक शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और रोजगार पहुंचेगा, तब ही स्थायी शांति संभव होगी।

पीएम सहित कई दिग्गजों ने दी शुभकामनाएं कहा- खरीददारी में स्वदेशी को दें प्राथमिकता

नई दिल्ली (एजेंसी)। धनतेरस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई दिग्गज नेताओं ने देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। साथ ही आव्हान किया है कि खरीददारी में स्वादेशी उत्पादों को ही प्राथमिकता दें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को धनतेरस की शुभकामनाएं देते हुए भगवान धन्वंतरि से सभी के लिए आशीर्वाद मांगा। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, देश के मेरे सभी परिवारजनों को धनतेरस की अनेकानेक शुभकामनाएं। इस पावन अवसर पर मैं हर किसी के सुख, सौभाग्य और आरोग्य की कामना करता हूं। भगवान धन्वंतरि सबको अपना भरपूर आशीर्वाद दें। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा, भगवान धन्वंतरि से सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और सौभाग्य की कामना करता हूं।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने संदेश में स्वदेशी उत्पादों को अपनाने पर जोर दिया। देशवासियों के नाम अपने संदेश में उन्होंने लिखा, सुख, समृद्धि और आरोग्य के पावन पर्व धनतेरस की आप सभी को हार्दिक बधाई और अनंत शुभकामनाएं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक्स पोस्ट में लिखा, प्राचीनतम चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद के जनक भगवान धन्वंतरि की जयंती की प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं।

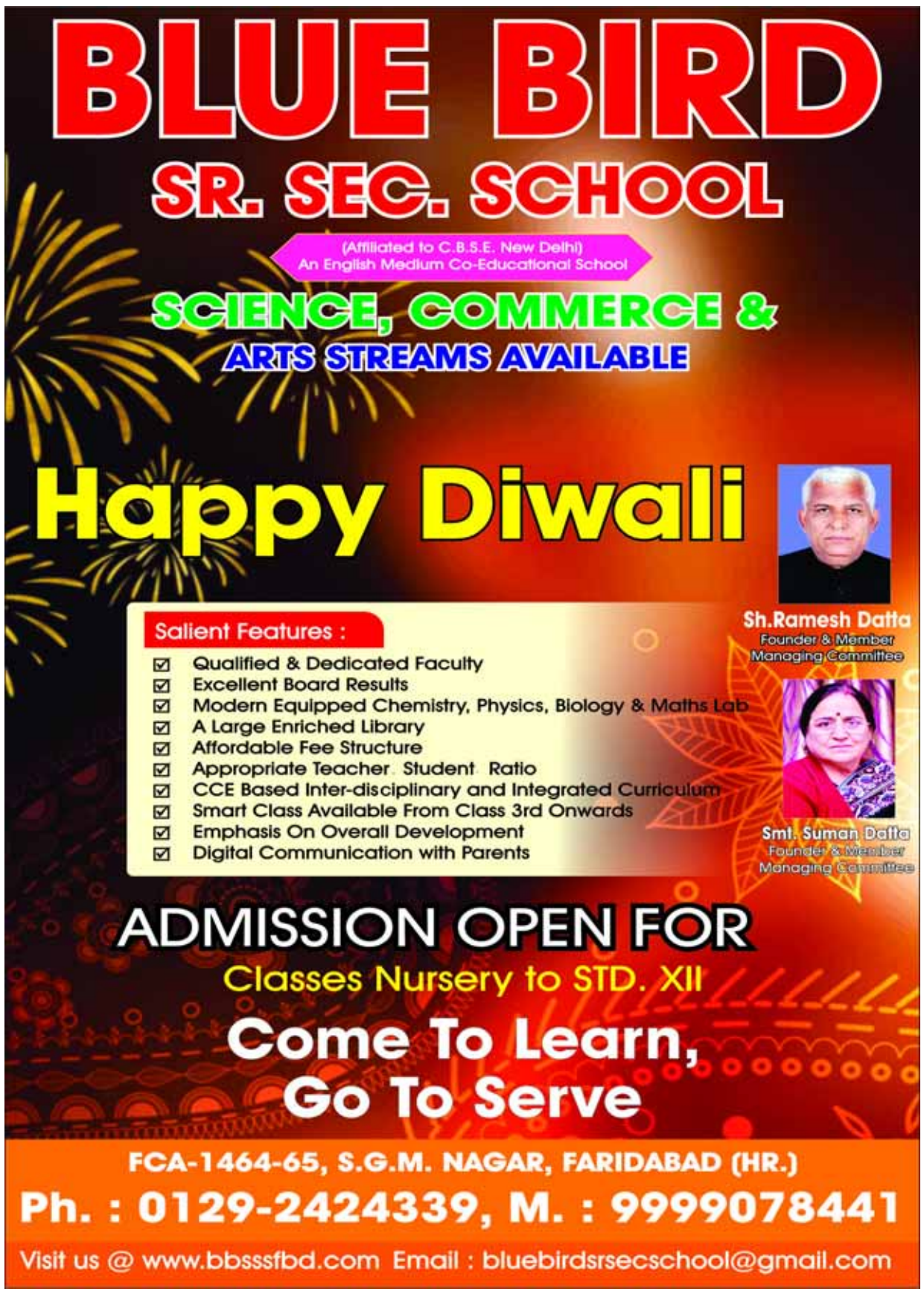

कॅरियर में मददगार होंगे यह पॉइंट्स

आप शिक्षा के जिस भी स्तर पर हैं, उसी अनुरूप आप अपने कॅरियर के चुनाव में विभिन्न उपायों को आजमा सकते हैं। मान लीजिये कि आप दसवीं में हैं, तो मंजिल के चुनाव के लिए आप अपने टीचर, पेरेंट्स की सहायता ले सकते हैं और जान सकते हैं कि कौन सा कॅरियर आपके लिए किस ढंग से लाभकारी होगा?

यह एक जांचा परखा तथ्य है कि अगर किसी व्यक्ति ने अपने कॅरियर के शुरुआती दौर में ही सही फैसले लेकर उचित कॅरियर का चुनाव कर लिया, तो उसकी आगे की राह काफी आसान हो जाती है। कहते हैं दुनिया में हर व्यक्ति सफर करता है, किंतु मंजिल पर पहुंचते बहुत कम लोग हैं। आप कह सकते हैं कि सही मंजिल पर कैसे पहुंचा जाए, तो इसमें यही बात समझने योग्य है कि सही मंजिल पर पहुंचने के लिए मंजिल का चुनाव, उसकी पहचान जरूरी है।

कॅरियर रूपी मंजिल का चुनाव कैसे करें?

क्या आप दसवीं में हैं? या फिर आप 12वीं में अथवा ग्रेजुएशन कर चुके हैं? आप शिक्षा के जिस भी स्तर पर हैं, उसी अनुरूप आप अपने कॅरियर के चुनाव में विभिन्न उपायों को आजमा सकते हैं। मान लीजिये कि आप दसवीं में हैं, तो मंजिल के चुनाव के लिए आप अपने टीचर, पेरेंट्स की सहायता ले सकते हैं और जान सकते हैं कि कौन सा कॅरियर आपके लिए किस ढंग से लाभकारी होगा? खासकर दसवीं के बाद आपको साइंस या आर्ट्स में से कोई एक स्ट्रीम चुननी होती है। इसी तरह से अगर आप 12वीं में हैं तो आप साइंस में भी मैथ्स या बायो लेकर चलना होता है अथवा आर्ट्स या कॉमर्स स्ट्रीम को लेकर पढ़ाई करना होता है। वस्तुत: यहां से कॅरियर एक दिशा ले लेता है कि आप किसी प्रोफेशनल कोर्स में जाना चाहते हैं या फिर एनडीए अथवा दूसरे कोर्स की तैयारी करना चाहते हैं। ग्रेजुएशन में तो आपकी समझ पूरी तरह से खुल चुकी होती है और आपको पूरी तरह से पता होता कि हकीकत में करना क्या है। बस कई लक्ष्यों के बीच में खुद को कंफ्यूज ना करें, क्योंकि कन्फ्यूजन आपको आपकी मंजिल से दूर कर देगा। ध्यान रखना चाहिए कि भेड़ चाल से बचना कैसे है और अपने लक्ष्य को पूरी तरह से अपने मन मस्तिष्क के अनुसार चुनना चाहिए। जब आप मंजिल को ठीक से पहचान लेते हैं तब आपका काम काफी आसान हो जाता है।

जुट जाएँ मंजिल तक पहुंचने में

जब एक बार मंजिल की पहचान हो जाती है, फिर आप तब तक ना रूकें, जब तक मंजिल पर पहुंच ना जाएँ। ध्यान रखें, डॉक्टर अब्दुल कलाम कहते हैं कि बैठे रहने वालों को वही मिलता है जो कोशिश करने वाले छोड़ देते हैं। अगर अपनी मंजिल को आपने पहचान लिया है तो आपको तेजी से और मजबूत कदमों से उस और बढ़ने की आवश्यकता होती है। इसके लिए न केवल ट्रेडिशनल कोर्सेज करें, बल्कि ऑनलाइन की दुनिया से अपने आपको लगातार अपडेट करें। केवल इतना ही पर्याप्त नहीं है कि आपने किसी यूनिवर्सिटी के डिग्री कोर्स में प्रवेश ले लिया है, बल्कि अपनी स्किल को निखारने के लिए आपको ऑनलाइन एजुकेशन, कोर्सेज के माध्यम से तमाम स्किल विकसित करनी होगी। इसके लिए कई फ्री तो कई पेड कोर्सेज उपलब्ध हैं, जिसे आप अपनी रूचि के अनुसार चुन सकते हैं। सबसे इंपोर्टेंट है खुद को लगातार अपग्रेड करना चाहिए। हालांकि रेगुलर पढ़ाई की महत्ता से इनकार नहीं किया जा सकता और इसके लिए आपको बेहतर से बेहतर संस्थान का चुनाव करना चाहिए और उसके प्लेसमेंट रिकॉर्ड को भी अपनी नजर में रखना चाहिए।

इनोवेशन को अहमियत दें

जापान के बारे में हम आप बचपन से सुनते आए हैं कि वहां बच्चे पढ़ाई के दिनों से ही प्रायोगिक चीजों में रूचि लेने लगते हैं और दसवीं तक आते आते तो घड़ी, दूसरी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस इत्यादि विकसित करने लगते हैं। भारत में अभी इस तरह का माहौल पूरी तरह से विकसित नहीं हुआ है, किंतु एक सच यह भी है कि भारत में ही कई सारे छोटे बच्चे कोडिंग के माध्यम से तमाम प्रोग्राम लिखते हैं, तो कई अपनी क्रिएटिव थॉट से वीडियो एडिटिंग, फोटोग्राफी, राइटिंग जैसे महत्वपूर्ण कार्य करते हैं। ऐसे कई यूट्यूब चैनल आप देखते ही होंगे, जिसमें छोटे-छोटे बच्चों ने कितना कमाल किया है। तो आप भी अपने स्तर पर कुछ इनोवेटिव कर सकते हैं। इसकी अपॉर्चुनिटी ढूंढें और हां इसका इंतजार ना करें कि अब अमुक पढ़ाई करने के बाद आपको नौकरी मिलेगी तो आप अपने कॅरियर को सेट करेंगे। इसकी बजाय पढ़ाई के कोर्सेज के दौरान ही आप खुद को स्टेबल करने की कोशिश करें। आप एंटरप्रेन्योरशिप माइंडसेट के साथ काम करेंगे, तो भविष्य में आपके लिए यह काफी अच्छा रहेगा। आप जॉब करें या फिर अपना बिजनेस करें, एंटरप्रेन्योरशिप माइंडसेट से आप खुद को सफल इंसान बनाने की दिशा में आगे बढ़ा सकते हैं।

भटकाव से बचें

आज के समय में तमाम एक्सपर्ट और रिसर्च इस बात के प्रति जागरूक करते हैं कि ऑनलाइन दुनिया में आपका समय बहुत खराब होता है। छोटे-छोटे बच्चे यूट्यूब और दूसरी ऑनलाइन साइट्स पर, गेम्स पर अपने जीवन का कीमती समय नष्ट करते हैं। यह धीरे-धीरे उनकी आदत बन जाती है और जो इंटरनेट अच्छी जानकारियों का सोर्स हो सकता है, उसे वह समय नुकसान करने का माध्यम बना लेते हैं। ना केवल बच्चे, बल्कि युवा भी इस पर अपना अच्छा खासा समय बर्बाद करते हैं, तो यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि आज के समय में समय बर्बाद करने का सबसे महत्वपूर्ण साधन भी इंटरनेट ही बन गया है। इसके लिए आप अतिरिक्त सावधानी बरतेंगे तो आपका कॅरियर सही दिशा में अवश्य ही आगे बढ़ेगा। पहले समय पास करने का काम नालायक दोस्त किया करते थे, लेकिन कइयों की लाइफ में अब यह स्थान इंटरनेट में ले लिया है। हालाँकि, कई लोग इंटरनेट को 'सच्चा दोस्त' बनाकर अपनी जिन्दगी में बड़े बड़े मुकाम इसी की सहायता से प्राप्त कर रहे हैं, इसीलिए इस के सकारात्मक पक्ष पर फोकस करें और भटकाव से बचने के लिए इंटरनेट पर पर अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत है।

रिव्यू और इम्प्रूवमेंट करना जरूरी है

अपनी यात्रा और अपनी अब तक की जिंदगी का रिव्यू अवश्य करें। अब तक आपने क्या किया है। अब तक कौन से अच्छे कार्य किए हैं, कौन सी छोटी गलतियां की हैं, तो कौन सी बड़ी मिस्टेक्स की हैं, इसका विचार करें। जितना अधिक आप खुद की एनालिसिस करेंगे, सार्थक दिशा में बढ़ने की संभावना भी उतनी ही अधिक बढ़ेगी। सच कहा जाए तो रिव्यू करना किसी परीक्षा की तरह होता है, जो एक परीक्षार्थी को बतलाता है कि उसका जीवन किस रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। जैसे आज की दुनिया में किसी प्रोडक्ट का रिव्यू किया जाता है, वैसे ही खुद का रिव्यू करने से ना चूकिए। कैरियर चूज करने में, प्रोफेशनल लाइफ में, पर्सनल लाइफ में, सोशल रिलेशंस में, फैमिली रिलेशंस में आप किस ढंग से चलते हैं, इस पर सार्थक मन से अवश्य विचार करें और जो भी आपकी उलझन होती है उन उलझनों को खुद सुलझाने की कोशिश करें। अगर किसी मोड़ पर आपको लगता है कि कॅरियर चुनने में कोई गलती हुई है तो रिव्यु से वह पकड़ में आ जाएगी। पुराने गलत निर्णय को झेलने की बजाय, ठोस आधार होने पर, अपने निर्णय में समय रहते तब्दीली लाई जा सकती है।

ब्लॉकचेन डेवलपर कैसे बनें, जानिये इसके प्रकार भूमिकाएं और कौशल

ब्लॉकचेन तकनीक सुरक्षा को बढ़ाती है और सूचना के आदान-प्रदान को इस तरह से गति देती है जो लागत प्रभावी और अधिक पारदर्शी होता है। ब्लॉकचेन के महत्व ने विभिन्न क्षेत्रों में संगठनों का ध्यान आकर्षित किया है जिसमें बैंकिंग क्षेत्र सबसे अधिक सक्रिय है।

ब्लॉकचेन क्या होता है?

ब्लॉकचेन एक विकेन्द्रीकृत डिजिटल लेजर होता है जो दुनिया भर के हजारों कंप्यूटरों पर लेनदेन को सेव करता है। ब्लॉकचेन तकनीक सुरक्षा को बढ़ाती है और सूचना के आदान-प्रदान को इस तरह से गति देती है जो लागत प्रभावी और अधिक पारदर्शी होता है। ब्लॉकचेन के महत्व ने विभिन्न क्षेत्रों में संगठनों का ध्यान आकर्षित किया है जिसमें बैंकिंग क्षेत्र सबसे अधिक सक्रिय है। ब्लॉकचेन के परिणामस्वरूप हजारों नई नौकरी की स्थिति और मोबाइल भुगतान समाधान से लेकर स्वास्थ्य देखभाल अनुप्रयोगों तक के नए स्टार्टअप का विकास हुआ है। वास्तव में ब्लॉकचैन आईटी दुनिया के वर्तमान परिदृश्य में शीर्ष उभरते प्रौद्योगिकी डोमेन में से एक है। ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी का वैश्विक बाजार वर्ष 2025 तक लगभग 20 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। सैमसंग, आईबीएम, कैपजेमिनी जैसे विभिन्न आईटी जायंट हैं जो ब्लॉकचैन पेशेवरों के लिए शानदार कैरियर के अवसर प्रदान कर रही हैं और आप एक सार्थक और सफल कॅरियर बनाने के लिए ब्लॉकचेन डेवलपर बनने पर विचार कर सकते हैं।

ब्लॉकचेन डेवलपर कौन होता है?

ब्लॉकचेन डेवलपर्स वे तकनीकी पेशेवर होते हैं जो ब्लॉकचेन तकनीक पर काम करते हैं और संबंधित कार्यों के लिए जिम्मेदार होते हैं, जैसे कि ब्लॉकचेन प्रोटोकॉल को डिजाइन करना, स्मार्ट कॉन्ट्रैक्ट बनाना आदि। एक ब्लॉकचेन डेवलपर के पास ब्लॉकचेन के साथ-साथ ब्लॉकचेन आर्किटेक्चर और प्रोटोकॉल के आधार पर स्मार्ट अनुबंधों को विकसित और अनुकूलित करने के लिए ज्ञान और कौशल का एक सेट होता है। वे 3डी मॉडलिंग, 3डी डिजाइन, 3डी सामग्री विकास को भी डील करते हैं जैसे कि गेम डेवलपमेंट में होता है। ब्लॉकचैन डेवलपर्स को मुख्य रूप से दो प्रकारों में बांटा जा सकता है – ब्लॉकचेन सॉफ्टवेयर डेवलपर और कोर ब्लॉकचेन डेवलपर।

ब्लॉकचेन सॉफ्टवेयर डेवलपर्स

ब्लॉकचेन सॉफ्टवेयर डेवलपर्स कोर डेवलपर द्वारा योजना के अनुसार डिजाइन का विकास और कार्यान्वयन करते हैं, जैसे –

- वे डीएपी विकसित करते हैं।
- वे कोर डेवलपर्स द्वारा डिजाइन के अनुसार स्मार्ट अनुबंध लागू करते हैं।
- वे सुनिश्चित करते हैं कि डीएपी योजना के अनुसार चले।
- अन्य सेवाओं और ऐप्स के साथ ब्लॉकचेन नेटवर्क के एकीकरण पर रिसर्च और देखभाल।

कोर ब्लॉकचेन डेवलपर्स

कोर ब्लॉकचेन डेवलपर्स आर्किटेक्चर के विकास और अनुकूलन के लिए जिम्मेदार होते हैं। डेवलपर ब्लॉकचेन समाधान का समर्थन करने वाले प्रोटोकॉल को डिजाइन, विकसित और अनुकूलित करता है। एक अच्छा उदाहरण कंसेंसस प्रोटोकॉल है जो परिभाषित करता है कि ब्लॉकचेन और संसाधनों का उपयोग करने वाले सदस्य कैसे इन संसाधनों को साझा करने और उपयोग करने पर सहमत होते हैं।

- कोर ब्लॉकचेन डेवलपर्स ब्लॉकचेन की कार्यक्षमता और विशेषताओं को लागू करते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि वे इच्छित कार्य करें।
- वे नेटवर्क की सुरक्षा को डिजाइन और कार्यान्वित करते हैं।
- वे सुनिश्चित करते हैं कि नेटवर्क चालू है।
- वे अन्य सेवाओं के साथ ब्लॉकचेन नेटवर्क के एकीकरण की योजना, डिजाइन और कार्यान्वयन करते हैं।
- वे एक ब्लॉकचेन नेटवर्क की सुविधाओं और कार्यक्षमता का विस्तार करने की योजना बनाते हैं।

आवश्यक तकनीकी कौशल

सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आपके पास कंप्यूटर साइंस / इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी क्षेत्र में ऐकडेमिक बैकग्राउंड चाहिए। आप किसी विशेष स्ट्रीम में स्नातक या मास्टर डिग्री हासिल करने का विकल्प चुन सकते हैं। हालांकि ब्लॉकचेन डेवलपर बनने के लिए किसी विशिष्ट शैक्षणिक पृष्ठभूमि का होना अनिवार्य नहीं है, लेकिन यह आपको बुनियादी बातों को समझने में मदद करेगा और ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी को प्रभावी ढंग से सीखने के लिए आपकी फाउंडेशन रखेगा। डिग्री प्रोग्राम्स के अलावा आप विशेष तकनीक में अधिक अनुभव प्राप्त करने के लिए कई प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विकल्प चुन सकते हैं। ब्लॉकचेन प्रोफेशनल बनने का कॅरियर इतना आसान नहीं होता है, इसके लिए आपको बहुत डेडिकेशन, कड़ी मेहनत और कंसिस्टेंसी की आवश्यकता होती है। लेकिन आज ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी के तेजी से विकास को देखते हुए ब्लॉकचेन डेवलपर्स के कॅरियर का दायरा बहुत ही शानदार और उज्ज्वल होता जा रहा है।

प्रमुख स्किल्स

ब्लॉकचेन आर्किटेक्चर को समझना

यह समझना सुनिश्चित करें कि ब्लॉकचेन क्या है, जैसे कि उन्नत ब्लॉकचेन सुरक्षा, ब्लॉकचेन एप्लिकेशन, ब्लॉकचेन एकीकरण और ब्लॉकचेन के फायदे और सीमाएं और साथ ही इनकी चुनौतियां। ब्लॉकचेन डेवलपर्स को ब्लॉकचेन सर्वसम्मति, हैश फंक्शन और वितरित लेजर तकनीक को समझने की आवश्यकता होती है। व्हाइट पेपर ब्लॉकचेन की वास्तुकला और कार्यप्रणाली को परिभाषित करता है। उन्हें विभिन्न ब्लॉकचेन और उनके कामकाज को समझने की जरूरत होती है जिनमें एथेरियम, बिटकॉइन, नियो और हाइपरलेगर सबसे महत्वपूर्ण हैं।

डेटा स्ट्रक्चर और डेटाबेस

एक डेवलपर को ब्लॉकचेन नेटवर्क को आवश्यकता के अनुसार उचित रूप से कॉन्फिगर करना चाहिए और इसलिए टारगेट नेटवर्क के लिए विभिन्न और इस प्रकार सर्वश्रेष्ठ डेटाबेस और डेटा संरचनाओं को समझना चाहिए।

स्मार्ट कॉन्ट्रैक्ट डेवलपमेंट

एक डेवलपर को स्मार्ट अनुबंधों के प्रकार और उन्हें विकसित करने के तरीके को समझना चाहिए।

विकेंद्रीकरण को समझना

जैसा कि ब्लॉकचेन और विकेंद्रीकृत अनुप्रयोगों में लागू होता है। इन डीएपी को विभिन्न प्रोटोकॉल और प्रक्रियाओं का उपयोग करके विभिन्न ब्लॉकचेन प्लेटफॉर्म पर बनाया जा सकता है।

क्रिप्टोग्राफी को समझना

क्रिप्टोग्राफी और डिजिटल लेजर ब्लॉकचेन के कामकाज का आधार होते हैं। डेवलपर को यह समझना चाहिए कि क्रिप्टोग्राफी क्या होती है, क्रिप्टोग्राफी में लागू होने वाले एल्गोरिदम और कौन से एल्गोरिदम किस प्रकार के ब्लॉकचेन नेटवर्क के लिए सबसे अच्छा काम करते हैं। उन्हें पता होना चाहिए कि ये एल्गोरिदम कैसे विकसित किए जाते हैं।

क्रिप्टोनॉमिक्स को समझना

यह समझना जरूरी है कि क्रिप्टोकरेंसी में ब्लॉकचेन पर कैसे कोडित किया जाता है। ब्लॉकचेन डेवलपर प्रशिक्षण और पाठ्यक्रम गेम थ्योरी, मॉडलिंग क्रिप्टोनॉमिक्स के लिए गणितीय ढांचे और मॉडलिंग में शामिल मुश्किलों को सिखा सकते हैं। उन्हें यह भी समझना चाहिए कि क्रिप्टोनॉमिक्स और संबंधित मौद्रिक नीतियों को प्रभावित करने वाले फैक्टर्स कौन कौन से हैं।

कंप्यूटर कोडिंग

कंप्यूटर प्रोग्रामिंग किसी भी उन्नत और प्रभावी विकेन्द्रीकृत ऐप या डीएपी के विकास के लिए आवश्यक होता है, हालांकि कुछ मामलों में आप इस कौशल के बिना शुरुआती डीएपी विकसित करने में सक्षम हो सकते हैं। अधिकांश ब्लॉकचेन डेवलपर्स प्रोग्रामिंग लैंग्वेज या कोडिंग सीखकर इसे शुरू करते हैं और फिर ब्लॉकचेन विकास में विशेषज्ञता के लिए इसका इस्तेमाल करते हैं। अधिकांश ब्लॉकचेन डेवलपमेंट के लिए मेनस्ट्रीम की प्रोग्रामिंग या कोडिंग भाषाओं की आवश्यकता होती है, लेकिन कुछ ब्लॉकचेन जैसे एरेम को एक विशिष्ट कोडिंग भाषा में ज्ञान की आवश्यकता होती है जिस पर वे कुछ भी डेवलप करने के लिए आधारित होते हैं।

कैसे बनें वॉयस ओवरआर्टिस्ट

वॉयस-ओवर, जिसे ऑफ-कैमरा या ऑफ-स्टेज कमेंट्री के रूप में भी जाना जाता है, एक उत्पादन तकनीक है, जहां एक आवाज- जो कि कहानी का हिस्सा नहीं है- एक रेडियो, टेलीविजन उत्पादन, फिल्म निर्माण, थिएटर या फिर किसी और प्रेजेंटेशन में उपयोग किया जाता है।

क्या आपकी आवाज मधुर और प्रभावशाली है? क्या आपको अपनी आवाज से प्यार है? यदि हाँ, तो आप नि :सन्देह वॉयस-ओवर फील्ड में अपना कॅरियर आजमा सकते हैं और वॉयस-ओवर-आर्टिस्ट होकर कुछ बड़ा पैसा कमाने के लिए इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। तो आइये इसके बारे में कुछ महत्वपूर्ण जानकारी हासिल करते हैं।

वॉयस-ओवर क्या है?

वॉयस-ओवर, जिसे ऑफ-कैमरा या ऑफ-स्टेज कमेंट्री के रूप में भी जाना जाता है, एक उत्पादन तकनीक है, जहां एक आवाज- जो कि कहानी का हिस्सा नहीं है- एक रेडियो, टेलीविजन उत्पादन, फिल्म निर्माण, थिएटर या फिर किसी और प्रेजेंटेशन में उपयोग किया जाता है। वॉयस-ओवर प्राय : किसी मौजूदा संवाद के अलावा जोड़ा जाता है। यह पेशेवर ऑडियो के एक भाग के रूप में आवाज प्रदान करने के लिए उपयोग में लाया जाता है। यह गेमिंग, वीडियो, कार्टून, विज्ञापनों आदि के लिए इस्तेमाल किया जाता है। तकनीकी रूप से कहा जाए तो वॉइस-ओवर-आर्टिस्ट की मुख्य जिम्मेदारी लिखित शब्द को ऑडियो या वॉइस में बदलना है। इसके लिए बोलने और संवाद की कला प्रमुख है।

वॉयस-ओवर आर्टिस्ट कौन होते हैं?

हम पूरे दिन आवाजें सुनते हैं, चाहे वह मेट्रो रेल घोषणाएं हों, विज्ञापन अभियान हो या रेडियो सुन रहे हों या फिर फोन पर हेल्पलाइन पर कॉल करते समय हो। लेकिन क्या आपने नोटिस किया है कि ये शांत और सुरीली आवाज किसकी है? वे वॉइस-ओवर-आर्टिस्ट हैं। वॉयस-ओवर कलाकार एनिमेटेड फिल्मों, वृत्तचित्रों और टेलीविजन शो के लिए आवाज प्रदान करते हैं और टेलीविजन और रेडियो विज्ञापनों में वॉयस-ओवर करते हैं। वॉयस-ओवर कलाकार एनिमेटेड पात्रों के लिए आवाजें प्रदान करते हैं, जिनमें फीचर फिल्में, टेलीविजन कार्यक्रम, एनिमेटेड लघु फिल्में और वीडियो गेम शामिल हैं। ये ऐसे लोग हैं जो अपने दैनिक जीवन में एक बदलाव लाने के लिए अपनी मेहनत और प्रयास इन आवाजों को दर्ज करने के लिए करते हैं। जिस डिजिटल समय में हम रहते हैं, उसमें वॉयस-ओवर कलाकारों का महत्व और प्रभुत्व बढ़ रहा है। इसमें कोई आश्चर्य नहीं है कि आजकल वॉइस-ओवर-कलाकार के रूप में कॅरियर को युवाओं के लिए एक शानदार विकल्प माना जाता है। सामान्यतया, वॉयस-ओवर आर्टिस्ट बनने के लिए अच्छी आवाज ही एकमात्र पात्रता मानदंड होता है। हालांकि, यह बहुत आसान लग सकता है, लेकिन जब यह वास्तव में एक वीडियो या एक चरित्र के लिए वॉइस-ओवर करने की बात आती है, तो कई चीजें हैं जो सामने आती हैं। लेकिन, मुख्य रूप से एक अच्छी आवाज और विभिन्न प्रकार के वॉयस मॉड्यूलेशन पर नियंत्रण वॉयस-ओवर आर्टिस्ट बनने के लिए प्राथमिक आवश्यकताएं होती हैं। साथ ही साथ आपको भाषा और व्याकरण का अच्छा ज्ञान होना चाहिए और उच्चारण पर उचित नियंत्रण। इसके लिए आप कुछ अभिनय पाठ्यक्रम का चुनाव कर सकते हैं, जहाँ से आपको एक अभिनय की डिग्री प्राप्त हो सके, क्योंकि वॉइस-ओवर काम का एक बड़ा हिस्सा अनिवार्य रूप से अभिनय कार्य ही है।

वॉयस-ओवर-आर्टिस्ट बनने के लिए टॉप कॉलेज और पाठ्यक्रम

नए जमाने के कॅरियर विकल्प के रूप में, जो अब भी धीरे-धीरे बढ़ रहा है, कोई स्थापित कॉलेज तो नहीं हैं जो वॉइस-ओवर-कलाकारों के लिए प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। लेकिन, पिछले कुछ वर्षों में कई निजी संस्थानों ने वॉइस-कोचिंग पाठ्यक्रम पेश करना शुरू कर दिया है, जो छात्रों को मूल बातें सीखने में मदद करते हैं। उनमें से कुछ हैं :

● इंडियन वॉयस ओवर, मुंबई ● फिलमिट अकादमी, मुंबई ● वॉयस बाजार, मुंबई

इसके अलावा, कई स्थापित वॉयस-ओवर-कलाकारों ने भी इसके लिए अपने स्वयं के ट्रेनिंग क्लासेज शुरू किए हैं। आप गूगल सर्च के द्वारा अपने इलाके में ऐसे संस्थानों की पहचान कर सकते हैं।

वॉयस-ओवर-आर्टिस्ट के लिए सबसे लोकप्रिय कॅरियर

विकास क्षमता और विभिन्न पहलुओं को देखते हुए, आजकल हम देख रहे हैं कि मनोरंजन, विज्ञापन, कॉर्पोरेट, ई-लर्निंग, एनीमेशन, प्रशिक्षण, विपणन, शिक्षा, रेडियो और अन्य कार्यक्षेत्रों में आत्मविश्वास से भरी और समृद्ध आवाजों के साथ वॉयस-ओवर कलाकारों की मांग बढ़ रही है। इसके अलावा, उन्नत प्रौद्योगिकी ने वीडियोगेम, ऐप, जीपीएस, टेक्स्ट टू स्पीच, इंटरनेट जैसे कई क्षेत्रों में इनकी मांग को और अधिक बढ़ा दिया है। अपेक्षाकृत अज्ञात कॅरियर विकल्प होने के बावजूद, वॉयस-ओवर-कलाकारों को दी जाने वाली भूमिकाएं और जिम्मेदारियां भिन्न भिन्न हैं। यह वीडियो के लिए बुनियादी वॉइस-ओवर गतिविधियों से शुरू होता है या रेडियो जिंगल्स के लिए आपकी आवाज की पेशकश करता है। एक बार सफल और स्थापित होने के बाद आप फिल्मों और टीवी शो या कार्टून शो के लिए डबिंग जैसे उच्च मूल्य वाले प्रोजेक्ट भी ले सकते हैं। एक पेशेवर कॅरियर विकल्प होने के नाते वॉयस-ओवर कलाकार बाजार में एक सम्मानजनक पारिश्रमिक प्राप्त करते हैं। अपेक्षाकृत नया डोमेन और एक छोटा उद्योग होने के नाते, गुणवत्ता वाले वॉयस-ओवर-कलाकारों की मांग बहुत अच्छी है और इसलिए भुगतान भी काफी अच्छा है।

Road Safety Quiz Held at Ideal School, Agwanpur

Faridabad/Alive News:

Ideal Public School, Agwanpur, organized a Road Safety Quiz Competition to spread awareness among students about the importance of following traffic rules and staying safe on the road.

Students from various classes took part with great enthusiasm and answered questions related to traffic signs, safety measures, and responsible behavior while using the road.The main goal of the event was to educate students about safe driving habits and encourage them to become responsible citizens in the future. The winners of the quiz were appreciated and awarded for their excellent performance.

J.C. Bose University organized a Workshop on NIRF 2026 Parameters and Data Submission

Faridabad/Alive News:

The NIRF 2026 team, in collaboration with the Internal Quality Assurance Cell (IQAC) of J.C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad, organized a one-day workshop titled "Strategic Orientation on NIRF 2026 Parameters and Data Submission". The event aligns with the United Nations Sustainable Development Goals (SDGs) 4 (Quality Education) and 9 (Industry, Innovation, and Infrastructure), emphasizing the creation of inclusive, high-quality education systems that foster innovation and resilient infrastructure.

The workshop aimed to provide comprehensive insights into the National Institutional Ranking Framework (NIRF) parameters, streamline data submission processes, and strategize for enhancing institutional rankings.

Dr. Rakesh Sharma, Pro Chancellor, Graphic Era (Deemed to be University), Dehradun, graced the occasion as Chief Guest and shared valuable perspectives on achieving excellence in higher education rankings. Prof. Rajive Kumar, Vice-Chancellor, J.C. Bose University, presided over the session and highlighted the importance of strategic alignment with NIRF criteria and the need for robust academia-industry collaboration to elevate the university's standing.

The session was convened by Prof. Sanjeev Kumar, NIRF Coordinator, and Dr. Rashmi Aggarwal, NIRF Co-Coordinator, who facilitated discussions on best practices and data-driven approaches to improve institutional performance in NIRF 2026 rankings. The session was attended by Registrar Prof. Ajay Ranga, Prof. Ashutosh Dixit, Director, IQAC, Prof. Sandeep Grover, all Deans, Chairpersons, and NIRF Committee Members.

Five-day 'Prakashotsav 2025' organized by the Media Department's Drishya Club

Faridabad/Alive News:

The Department of Communication and Media Technology at J.C. Bose University, YMCA, Faridabad, grandly organized 'Prakashotsav 2025' on the occasion of Diwali. The event was held under the departmental club 'Drisya – Creative Canvas'. This five-day festival became an amazing confluence of light, colors, and creativity, where lantern and toran making competitions, visual storytelling screenings of short films and creative visuals, mini photography, Rangoli competition, and cultural performances offered the experience of a rainbow aura. Mayor Praveen Batra Joshi and renowned writer and singer Saurabh Pandit were present as Chief Guests on the fifth day of 'Prakashotsav 2025', which featured a cultural evening. During this grand event, Mayor Praveen Batra praised the artistic talent and socially aware initiatives of the students. He appealed from

the stage that this Diwali, everyone should contribute to the Atmanirbhar Bharat campaign by using indigenous products. In the ceremony held at Vivekananda Auditorium, singer Saurabh Pandit's performance of his self-composed songs and music made the atmosphere melodious. When Saurabh Pandit sang 'Mera Lucky Number 16' and 'Akhbar News Mein Padh Le Charche Ab Yaara De…' from the stage, the students cheered, enjoyed, and danced vigorously in the audience along with the singer. Students also performed vigorous thumkas (dance moves) to songs and music rich in Haryanvi culture. Vice-Chancellor Prof. Rajeev Kumar, while appreciating the program, said that such events provide a platform to refine creativity in students. Academic Dean Prof. Munish Vashisth, Dean DSW Prof. Pradeep Dimri, Dean Dr. Anuradha Sharma, and Proctor Prof. Vasudev Malhotra appreciated the performances and congratulated the organizers for the successful event.Prof. Pawan Singh, expressing gratitude to all the guests, faculty, and students, said that Prakashotsav-2025 was not just a festival but a platform for media students to showcase their visual storytelling and artistic skills, which will play a significant role in the all-round development of the students. During the event, the Drisya Club T-shirt of the department was unveiled by the guests.

Program Coordinator Assistant Professor Dr. Sonia Hudda informed that during the cultural evening, students showcased their diverse artistic capabilities, ranging from Indian classical dances to folk arts, and from music to theatrical performances. Winners of various competitions were also honored during this time. Under 'Prakashotsav-2025', prizes were awarded to Anjali, Nandini, Priyansh in 'Toran' competition, Priya, Bhumika, and Priya Mangla in 'Diya Decoration', Hardik Mehta, Aditi, Srishti in 'Photography', and Chhavi, Harsh, Ketan, Geetika, Drishti, Kumkum, Pooja, Jayanti in 'Rangoli' competition held over the five days. The ceremony concluded with a vote of thanks and the National Anthem.

FMS Celebrates an Eco-Friendly Diwali with Joy and Creativity

Faridabad/Alive News:

Faridabad Model School, Sector 31, celebrated the festival of lights with an inspiring Eco-friendly Diwali Celebration. The school was beautifully decorated with lights, lanterns, and vibrant colors, creating an atmosphere of joy, unity, and hope. To mark the occasion, kindergarten students took part in fun class activities such as Diya Decoration, Lantern Making, and Rangoli Making. They also presented a lively Dance Drama during a special assembly.

Students from the Senior Wing decorated their floors on the theme "Kindness is a Boomerang", while the Middle Wing worked on "Unity in Diversity" for the Rangoli and Class Decoration Competition. Their creative efforts and teamwork showcased the spirit of togetherness, peace, and harmony. Through their artwork, students shared meaningful messages about celebrating a Green Diwali, spreading kindness, and promoting peaceful coexistence among all. FMS Academic Director, Mrs. Shashi Bala, along with the coordinators, extended warm Diwali wishes to the students and praised their creativity and enthusiasm. They also encouraged everyone to celebrate Swachch (Clean) and Swasth (Healthy) Diwali by avoiding firecrackers and choosing an eco-friendly and peaceful way to celebrate with family and friends.

The celebration filled the hearts of students and staff with festive cheer, leaving everyone with a sense of happiness, togetherness, and Diwali spirit.

Rockingdeals Circular EcOne-Week STC on Robotics and Automation begins at J.C. Bose University

Faridabad/Alive News:

one-week Short Term Course (STC) titled "Robotics and Automation: A Gateway to Intelligent Manufacturing" organized by the Department of Mechanical Engineering of J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad begins today. The program is aimed at advancing skills in robotics and automation for modern manufacturing.

The inaugural ceremony was graced by Prof. Rajive Kumar, Vice-Chancellor of the University, as the presiding dignitary. Sh. Satinder Singh Banga, CEO of Victoria Industries Pvt. Ltd., served as the chief guest, while Prof. Ajay K. Singholi from the University School of Automation and Robotics, GGSIPU, East Campus, Delhi, delivered the keynote address.

The event commenced with a traditional lamp lighting ceremony, followed by Saraswati Vandana and the University Kulgeet. Dr. Arvind Gupta, Chairperson of the Department, outlined the STC's objectives, emphasizing its goal to equip students of the Robotics and Artificial Intelligence branch, faculty members, M.Tech, and Ph.D. scholars with cutting-edge knowledge in

robotics, automation, and industry-relevant technologies. In his address, Prof. Rajive Kumar lauded the initiative, stressing the importance of skill development, academic-industry collaboration, and the need to update competencies beyond traditional classroom learning. Sh. S. S. Banga highlighted the significance of the "Make in India" initiative and urged participants to hone their AI and automation skills to contribute to industrial growth.

Dr. Ajay Singholi, in his keynote lecture, elaborated on collaborative automation, ISO standards for human-robot collaboration, challenges in deploying cobots on shop floors, and research opportunities in sensor technologies.

The program coordinators, Dr. Rajeev Saha, Dr. Rajesh Attri, and Dr. Nisha Bhatt, felicitated Dr. Singholi with a memento. The inaugural session concluded with a vote of thanks by Dr. Rajeev Saha.

International Educators from Poland and Japan Visit Jiva school — Global Recognition for Jiva Learning System

Faridabad/Alive News:

The Jiva Learning System has earned yet another mark of international recognition as an education delegation from Poland and Japan visited Jiva Public School, Sector 21B, Faridabad, to learn about its unique approach to teaching and learning.

The team of educators and psychologists studied the Jiva Learning System's innovative and psychology-based model, which focuses on the holistic development of each student. The visit aimed to promote cultural and educational exchange and build stronger global collaborations in education.

In a major step forward, Mr. Ramdas Eliya, Manager of Bhoojohory College, Mauritius, has already signed an agreement with Jiva Learning System. As part of this

partnership, a group of teachers from Mauritius will begin their training at Jiva Public School this October. This collaboration will help share and improve teaching practices at an international level.

The visiting delegates appreciated Jiva's focus on life skills, value-based learning, and personalized mentoring for students. They praised the school's experiential learning environment and its Vedic-inspired education model. The five-member delegation included four representatives from Poland psychologists Agnieszka Dawika and Ilona, and yoga instructors Julia and Magdalena along with Niley Hingad from Japan, who also joined as a yoga instructor.

The visit was hosted by Mr. Rishipal Chauhan (Chairman), Mrs. Chandralata Chauhan (Director), and Mrs. Mukta Sachdeva (Academic and Excellence Head) of Jiva Public School.

The event highlighted Jiva's growing global impact and its ongoing mission to promote meaningful international collaboration, innovation, and holistic education for all learners.

Jiva Public School Students Excel in Culinary and MUN Competitions

Faridabad/Alive News:

Jiva Public School proudly celebrates the achievements of its students, who recently brought acclaim to the school through their outstanding performances in two major events the Budding Chef Competition and the Model United Nations (MUN).

In the Budding Chef Competition organized by Vedatya Institute, Gurugram, students Kanishka and Dishita impressed the judges with their creativity, teamwork, and culinary skills. Their delicious dishes and innovative presentations earned them Second Place, along with certificates, medals, a trophy, and vouchers worth rupees thousand.

Adding to the school's achievements, Jiva students also showcased leadership, diplomacy, and communication skills at the Model United Nations (MUN), organized by the Jiva Interact Club in collaboration with the Rotaract Club of IGTDUW. The event provided a platform for students to discuss global issues, improve their reasoning, and learn about international relations.

The MUN training session was held on 30th September, followed by the main event on 3rd October 2025. Three key committees WHO, UNGA, and UNHRC conducted discussions and

policy deliberations on important world issues.

Outstanding participants included: Yashvi Khurana (Class IX) – Best Delegate (WHO Committee), awarded 500 rupee, Samaira Raina (Class IX) – Special Mention for eloquence and confidence, awarded 200 rupee and Vansh Goyal (Class VIII) – Recognized for outstanding performance and analytical skills. Students who received Certificates of Participation were Turvi Malhotra, Namrata Singh, Cheshta, Avika Srivastava, Ananya, Shreya, and Vanshika for their active involvement.

Vibhor Dhingra, Secretary of the Jiva Interact Club, was honored with the Fantastic Collaborator Certificate, and Mrs. Poonam Chauhan, History teacher, received the Fantastic Rapporteur Award for her dedication and coordination.

Congratulating the achievers, Rishipal Chauhan, Chairman of Jiva Public School, praised the students and said their success reflects the effectiveness of the Jiva Learning System, which focuses on holistic and experiential education. Mrs. Chandralata Chauhan, School Director, and Mrs. Mukta Sachdev, Academic and Excellence Head, also extended their best wishes for the students' bright future. Jiva Public School continues to inspire its students to explore, innovate, and lead, making excellence a way of life.

सरदार बल्लभभाई पटेल की 150वी जयंती मनाने के लिए आयोजित हुई विशेष बैठक

Faridabad/Alive News

आत्मनिर्भर भारत, हर घर स्वदेशी घर, घर स्वदेशी अभियान के तहत भाजपा फरीदाबाद महानगर के बल्लभगढ़ मंडल में शुक्रवार को विशेष बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता फरीदाबाद महानगर के जिलाध्यक्ष सोहन पाल सिंह ने की, जबकि मुख्य रूप से विधायक सतीश फागना, जिला महामंत्री अनुराग गर्ग जी, कवींद्र चौधरी, जिला मीडिया प्रभारी राजेश कौशिक, गीता शर्मा, संदीप भड़ाना, प्रदीप जी आदि

उपस्थित रहे।

बैठक को संबोधित करते हुए विधायक सतीश फागना ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल एक भारतीय स्वतंत्रता कार्यकर्ता और राजनेता थे, जिन्होंने 1947 से 1950 तक भारत के पहले उप प्रधान मंत्री और गृह मंत्री के रूप में कार्य किया। उन्होंने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन और भारत के राजनीतिक एकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। फागना ने कहा कि भारत और अन्य जगहों पर,उन्हें अक्सर सरदार कहा जाता था, जिसका अर्थ है 'प्रमुख'। उन्होंने भारत के राजनीतिक एकीकरण और 1947 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान गृह मंत्री के रूप में कार्य किया। स्वतंत्रता संग्राम में उनका अहम योगदान रहा। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल की 150वीं जयंती 31 अक्टूबर को फरीदाबाद सहित देशभर हर्षोल्लास के साथ मनाई जाएगी।

इस मौके पर भाजपा महानगर के जिलाध्यक्ष सोहन पाल सिंह ने कहा कि सरदार पटेल की जयंती को लेकर तैयारियां शुरु कर दी गई है, कार्यकर्ताओं को जिम्मेवारियां सौंप दी गई है और यह आयोजन बेहतर तरीके से किया जाएगा क्योंकि सरदार पटेल भारतीय इतिहास के प्रमुख महापुरुषों में शुमार है इसलिए उनकी जयंती फरीदाबाद सहित देशभर में धूमधाम से मनाई जाएगी।

बाल महोत्सव में एसडीएम ने बतौर मुख्यातिथि की शिरकत

Faridabad/Alive News

हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद, जिला शाखा फरीदाबाद द्वारा गुरुवार को बाल भवन में बाल महोत्सव का आयोजन किया गया 7 बाल महोत्सव के तीसरे दिन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में एसडीएम बड़खल डॉ. त्रिलोक चन्द ने शिरकत की। मुख्य अतिथि का स्वागत जिला बाल कल्याण अधिकारी पिंकी, जिला बाल कल्याण परिषद, फरीदाबाद अनिल मोरवाल, कार्यक्रम अधिकारी रविन्द्र कुमार मनचंदा (नोडल अधिकारी) व निर्णायक मंडल सदस्य गणों ने बुके भेंट कर व नन्हे मुन्ने बच्चों, प्रतिभागियों एवं अभिभावकों ने तालियों की गूंज के साथ उत्साहपूर्वक स्वागत किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ने दीप प्रज्वलित किया। बाल महोत्सव प्रतियोगिताओं में भाग ले रहे प्रतिभागियों ने कला नृत्य के हुनर से

अपने - अपने संगीत की धून पर नृत्य प्रस्तुत कर सभी को मन्त्र मुग्ध कर दिया 7 मुख्य अतिथि ने उपस्थित सभी को संबोधित करते हुए कहा की सरकार निरंतर बच्चों के कल्याण के लिए कार्य कर रही है विशेष तौर पर बच्चों कि पढ़ाई को लेकर सराहनीय कार्य कर रही है 7 सरकार बच्चो कि कला को निखारने व् उन्हें मंच प्रदान कर उनमे आत्म विश्वाश बढाने के लिए बाल महोत्सव जैसे कार्यक्रमों का आयोजन कर रही है आज देखा गया कि बच्चो ने बहुत महेनत कर रखी है और बडे ही उत्साह के साथ अपनी अपनी कला का प्रदर्शन कर रहे है इन बच्चों को आगे बढाने के लिए जिला बाल कल्याण परिषद, फरीदाबाद बहुत ही सराहनीय कार्य कर रही है 7 इसके लिए जिला बाल कल्याण अधिकारी व उनकी पूरी टीम व् खासतौर पर बच्चों कि प्रतिभा का अवलोकन करने वाले निर्णायक मंडल के सभी सदस्यों को भी बधाई दी।इसके बाद मुख्य अतिथि की अनुमति उपरान्त कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया प्रतियोगिताओं में प्रथम वर्ग में एकल नृत्य, समूह नृत्य, फैंसी ड्रेस, द्वितीय वर्ग में बेस्ट ड्रामेबाज व देश भक्ति समूह गान का आयोजन किया गया7 बच्चों ने बहुत ही मनोहारी प्रस्तुतियां प्रस्तुत कर सब को मंत्रमुग्ध कर दिया 7 28 स्कूलों के लगभग 416 बच्चों ने इन प्रतियोगिताओं में भाग लिया, प्रतियोगिता में प्रधानाचार्य रूपकिशोर, मनोज शास्त्री, अंशुल प्रवक्ता, प्रवक्ता संदीप यादव, पूजा, मनीषा, संजय मिश्रा, सुनील नागर, बोबी गुप्ता, कमलेश, रेखा कादयान, विनोद कुमार, अमित गुप्ता, वीणा थालोर प्रहलाद निर्णायक मंडल की भूमिका में रहे। मंच का संचालन विक्रम विवेक व बांके बिहारी ने किया व अमित गुप्ता हास्य कलाकार ने बच्चों का मनोरंजन भी किया। इस अवसर पर ईश्वर भारद्वाज, अजय यादव व समस्त बाल भवन स्टाफ उपस्थित रहा।

मानसिक यातनाओं में परिवर्तित होने वाले मानसिक खेलों में लगातार वृद्धि

लेखक - डॉ. प्रितम भि. गेडाम

मनोविज्ञान विचारों, भावनाओं और व्यवहारों को समझने में मदद करता है, जिससे हमारा आत्मविश्वास बढ़ता है और अपनी कमजोरियों को पहचानने और सुधारने की क्षमता बढ़ती हैं। दिमागी खेलों का इस्तेमाल हमेशा दूसरे व्यक्ति की भावनाओं और कार्यों को प्रभावित एवं उन्हें नियंत्रित करने के लिए किया जाता है, जो किसी व्यक्ति को कुछ खास कार्य करने के लिए मजबूर करते है, कभी-कभी रिश्तों में बढ़त हासिल करने, अपनी कमजोरियों को जाहिर नहीं करना, किसी रिश्ते में हावी होने की इच्छा, किसी की दिलचस्पी बनाए रखने, ध्यान आकर्षित करने या धोखा देने के लिए दिमागी खेल खेलते है, दूसरे शब्दों में, दिमागी खेल मनोवैज्ञानिक हेरफेर हैं। कार्यस्थल पर दिमागी खेल अक्सर गुप्त एजेंडे, हेरफेर, शक्ति की गतिशीलता और अन्य सूक्ष्म मानसिक चालें शामिल होती हैं। भावनात्मक बुद्धिमत्ता की कमी अक्सर स्वार्थी और अदूरदर्शी व्यवहार की ओर ले जाती हैं। दिमागी खेल खेलने वाला व्यक्ति, जो नियंत्रणकारी, धोखेबाज़ या मनोवैज्ञानिक दुर्व्यवहार में लिप्त होता है, उन्हें मैनिपुलेटर या नार्सिसिस्ट कहा जाता हैं। दिमागी खेल हमारे भावनात्मक स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव डालते है, यह कुछ हद तक ठीक है, क्योंकि इससे रिश्तों में लचीलापन आता है, लेकिन लगातार इस तरह के दिमागी खेल खेलना मानसिक यातनाए बन जाती हैं। सीधा और साफ संवाद कई दिमागी खेलों को रोक सकता हैं। चालाकी भरे व्यवहार पर बात करते समय, आपने जो देखा है और उससे आपको कैसा महसूस होता है, उसके बारे में स्पष्ट रहें।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य महासंघ अनुसार, इस साल 2025 में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस की थीम ÷सेवाओं तक पहुँच - आपदाओं और आपात स्थितियों में मानसिक स्वास्थ्य÷ हैं। मानसिक स्वास्थ्य विकार 200 से ज़्यादा प्रकार के होते हैं। तनाव विकार, जुनूनी-बाध्यकारी विकार, सामाजिक भय और सामान्यीकृत चिंता विकार, अवसाद और द्विध्रुवी विकार जैसे मनोदशा संबंधी विकार व अन्य। हमारे देश में मनोचिकित्सक की भारी कमी है, लोग मानसिक विकार से गुजरते हुए भी अधिकतर खुद को विकारग्रस्त नहीं मानते। शरीर की भांति मन का भी रोज व्यायाम होना चाहिए, उसे भी पोषक वातावरण बेहद आवश्यक होता हैं। जीवन में कभी किसी व्यक्ति की आदत या अत्यधिक निर्भरता पर नहीं रहना, क्योंकि उस व्यक्ति के जाने के बाद या उसके व्यवहार में बदलाव के बाद हम भावनात्मक रूप से टूटने के कगार पर पहुंच सकते हैं।

महिलाएं भावनात्मक सुरक्षा की कमी, शक्तिशाली या नियंत्रण में रखने की चाहत, चोट लगने के डर या अपनी असुरक्षाओं के प्रतिबिंब जैसे कारणों से मानसिक खेल खेलती हैं। ये हथकंडे बचाव के तरीके या किसी पुरुष की प्रतिबद्धता और आकर्षण को परखने के प्रयास हो सकते हैं। नकारात्मक अतीत से कुछ महिलाएं मानसिक खेलों का इस्तेमाल एक बचाव के तरीके के रूप में भी करती हैं। प्रेम और आकर्षण के बीच के अंतर को समझना जरूरी अन्यथा गलतफहमियां बढ़ती है और बहुत बार रिश्तों में अवांछित या हिंसक मोड़ आ जाता हैं। कभी भी आवेश में आकर कोई निर्णय लेने से बचें और खुशी में कोई वादा या अतिशीघ्र निश्चय न लें, क्योंकि भावनाओं में आकर फैसले नहीं किये जाते। किसी भी रिश्ते की नींव भरोसा और एक दूसरे के प्रति भावनात्मक समानता होती है, जब भी इनमें दरार आये तो उस रिश्ते की मजबूती पर सवाल उठते हैं।

उदाहरण के लिए मानते हैं कि, एक पुरुष और एक महिला आपस

में अच्छे मित्र है, दोनों एक-दूसरे के प्रति सम्मान और आदर भाव रखते हैं। इसमें पुरुष मित्र बेहतर और जिम्मेदार साथी है, जो हमेशा अपने महिला मित्र के खुशी के बारे में विचार करता है, परंतु महिला मित्र खुद के बारे में ज्यादा सोचती है, पुरुष मित्र के विचारों को सुनना, समझना या उसके दुख-सुख को जानने में रुचि नहीं लेती हैं। महिला मित्र अधिक से अधिक पुरुषों का ध्यान आकर्षित करना चाहती है, वह सामने वाले पुरुष को बिना जाने-पहचाने ही तारीफों के पुल बांधने लगती है, सोशल मीडिया पर, कार्यस्थल और अन्य स्थान पर भी उसके ऐसे ही अनेक पुरुष मित्र है, जिनसे वह यही समान व्यवहार करती हैं। इसका मतलब कि वह महिला मित्र हर पुरुष मित्र से मनोवैज्ञानिक खेल खेलती हैं। ऐसी महिला बहुदा राज, भ्रम या धोखा प्रतीत होती हैं। ऐसी परिस्थिति में पुरुष मित्र ने हमेशा इस प्रकार की महिलाओं से दूरी बनाकर रखनी चाहिए, वर्ना भावनाओं में बहकर पुरुष मित्र अनुचित निर्णय या दुर्व्यवहार का शिकार हो सकता है और गहरा मानसिक आघात भी लग सकता हैं।

यह तो केवल एक उदाहरण है, लेकिन हकीकत में मनोविज्ञान का हमारे विचारों पर रोजाना असर होता हैं। कोई दिखावे का अपनापन दिखाता हैं, कोई भावनात्मक रूप से डराता हैं या भावनाओं से खेलता हैं, कोई हम पर दोषारोपण करता है, तो कोई हमें खुद की सोच पर भ्रम की स्थिति दर्शाता है, तो कोई हमसे सच छुपाकर झूठ दिखलाता हैं। लोगों की बातों को मन से लगाकर अपने आपको कमजोर साबित करने लगते हैं, इस तरह हम सत्य-असत्य के बीच संदेह के घेरे में आ जाते है और योग्य निर्णय लेने में खुद को असमर्थ महसूस करते हैं। बहुत बार लोग सोशल मीडिया पर किसी पोस्ट को देखकर अपनी भड़ास निकालते हैं, लड़के लड़कियों की झूठी आईडी बनाकर अकाउंट चलाते है और जालसाजी करते हैं। भ्रामक विज्ञापन, नेताओं के भाषण, अश्लील कंटेंट और धार्मिक भावनाओं को भड़काने वाले पोस्ट भी खूब करते है, जिस पर लोग प्रतिक्रिया देकर मनोवैज्ञानिक खेल का हिस्सा बन जाते हैं।किसी के दिमागी खेल खेलने के संकेतों में शामिल हैं, आपको भ्रमित या शर्मिंदा महसूस कराना, अपने स्वभाव के विपरीत व्यवहार करना, जैसे अचानक चुप हो जाना या गहरा स्नेह दिखाना, जल्द व्यवहार बदलना, गैसलाइटिंग या द्वेषपूर्ण तारीफों से आपकी धारणाओं में हेरफेर करना, दोष दूसरों पर मढ़कर जिम्मेदारी से बचना, वे लगातार अपना मूड बदलते रहते है और जानकारी छिपाकर या नियंत्रण बनाए रखने के लिए अपने सामाजिक दायरे से बाहर रखकर आपको अंधेरे में रखना। अपनी कमजोरियां छुपाना और कोई चीज सीधे न मांगकर दिमागी खेल खेलकर ध्यान आकर्षित करते हैं। यह व्यवहार शक्ति प्राप्त करने या अपनी मनचाही चीजें पाने के लिए हेरफेर करने का काम करता है, जिससे आप असुरक्षित महसूस करते हैं या खुद पर संदेह करते हैं।

मौन व्यवहार के साथ ही मनोविज्ञान में अपराधबोध, गैसलाइटिंग, प्रक्षेपण, पीड़ित की भूमिका निभाना, ध्यान आकर्षित करने की होड़, त्रिकोणीकरण, सूक्ष्म हेरफेर जैसे दिमागी खेल खेले जाते हैं, जिससे बचना चाहिए। इन आम मानसिक दिमागी खेलों को पहचानना और उनसे निपटने की रणनीतियाँ बनाना, स्वस्थ रिश्तों और अपनी मानसिक सेहत को बनाए रखने के लिए ज़रूरी हैं। सीमाएँ तय करना, खुलकर बातचीत करना और अपनी जरूरतों को प्राथमिकता देना बेहद जरूरी है, साथ ही लोगों द्वारा चापलूसी, अनावश्यक प्रशंसा और अपने हेरफेर के कारणों के बारे में भी जागरूक रहना जरूरी हैं। किसी के उकसावे पर प्रतिक्रिया न दें, ऐसा करके, आप इन मनोवैज्ञानिक चुनौतियों का आत्मविश्वास और शालीनता से सामना कर सकते हैं।

किसी की खुशी में खुश और दुःख में दुखी महसूस करना, अब नजर नहीं आता, जबकि असल में यही मानवी भाव होते हैं, हर ओर दिखावे का मुखौटा लगाकर झूठे व्यवहार के चक्कर में हम अपनी भोली मासूमियत को खुद ही मार चुके हैं। यही कारण है कि वर्तमान में मानसिक विकारों में भी बेतहाशा वृद्धि हुयी है, जो सीधे तौर पर शारीरिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा रही हैं। हालातों से जीवन इतना भी उलझा नहीं होता, जितना मनुष्य उसको खुद उलझाता हैं। मन मस्तिष्क को हमेशा हल्का बनाए रखें, नकारात्मक विचारों का बोझ लेकर न चलें। स्व-देखभाल को प्राथमिकता दें, नियमित शारीरिक गतिविधि करें, संतुलित आहार लें और पर्याप्त नींद लें। लोगों से ज्यादा अपेक्षाएं न लगायें। रिश्तों को मजबूत बनाएँ, दोस्तों और परिवार के साथ समय बिताएँ। जो व्यक्ति आपको समझें, भावनाओं की कद्र करें और दुख सुख में साथ दें, ऐसे लोगों के संपर्क में रहें, ताकि हम में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता रहें और नकारात्मकता से दूरी बनी रहें।

भारत का खाद्य और औषधि नियंत्रण — जब व्यवस्था ही जहर बन जाए तो क्या?

लेखक- प्रभजोत कौर

आज भारत का जन स्वास्थ्य आपातकाल की चपेट में है। देश में 10 करोड़ से अधिक मधुमेह रोगी हैं, हृदय रोग और कैंसर की दरें लगातार बढ़ रही हैं, और बचपन का मोटापा नए खतरे के स्तर पर पहुंच चुका है। यह संकट किसी संयोग का परिणाम नहीं, बल्कि उस व्यवस्थागत गिरावट का परिणाम है जो हमारे खाद्य और औषधि सुरक्षा ढांचे में गहराई तक प्रवेश कर चुकी है।

भ्रष्टाचार और लापरवाही का जाल

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई), जिसे देश की खाद्य सुरक्षा की गारंटी देनी चाहिए, उसका हाल स्वयं एक चेतावनी है। मई 2024 में सीबीआई ने मुंबई स्थित एफएसएसएआई के सहायक निदेशक को रिश्वत लेते गिरफ्तार किया छापेमारी में करोड़ों की अवैध संपत्ति मिली। यही नहीं, भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की 2023 की रिपोर्ट में सामने आया कि देशभर में लिए गए करीब एक-तिहाई खाद्य नमूने सुरक्षा मानकों पर खरे नहीं उतरे, लेकिन केवल कुछ ही पर कार्रवाई हुई। आरटीआई खुलासों ने भी एक चिंताजनक तस्वीर पेश की है। 2018 से 2022 के बीच 35 लाख से अधिक खाद्य लाइसेंस जारी हुए, पर केवल गिने-चुने रद्द किए गए। इसका सीधा अर्थ है कि जो भी बाजार में है, वह लगभग बिना डर के है।

कॉर्पोरेट जगत की भूमिका भी उतनी ही सवालों के घेरे में है। जैसे की नेस्ले का सेरेलैक भारत में अतिरिक्त चीनी के साथ बेचा जाता है, जबकि यूरोप में यही उत्पाद बिना किसी अतिरिक्त चीनी के मिलता है। एमडीएच और एवरेस्ट मसालों में कैंसरकारी तत्व पाए जाने पर सिंगापुर और हांगकांग ने कई बैचों पर प्रतिबंध लगाया। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट (सीएसई) ने भी शहद, दूध और पनीर में मिलावट के साक्ष्य उजागर किए हैं। यह केवल व्यापारिक प्रतिस्पर्धा नहीं, नागरिकों के स्वास्थ्य से सीधा खिलवाड़ है। अब कफ सिरप कांड हाल ही में देश के सामने आया है। कफ सिरप हादसे ने इस तंत्र की नाकामी को एक बार फिर से उजागर कर दिया। इस सिरप के कारण मध्यप्रदेश और राजस्थान में दर्जनों बच्चों की मौत हो गयी

जिसमें डाइइथाइलीन ग्लाइकोल जैसे जहरीले तत्व पाए गए। भारत निर्मित सर्पो ने पहले भी कई देशों में जान ले चुके उधर, विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने इस विषय पर चिंता जताते कहा कि जब औषधि और खाद्य सुरक्षा, दोनों ही निगरानी प्रणालियां जवाबदेह नहीं रहीं, तो नतीजा सिर्फ़ मौतें ही हैं।

व्यवस्था के नाम पर देरी

भारत में इस से संबंधित मंत्रालय और विभाग है द्य वो इतने गेर जिम्मेदार है कि भारत में ट्रांस फैट को खत्म करने के लिए ङ्ख्रु ने समय सीमा सन 2023 तय की थी, लेकिन हमारे देश में यह नियम 2024 में जाकर पूरी तरह लागू हुआ। इसी तरह पैक के आगे चेतावनी लेबल (एफओपीएल) नीति, जो उपभोक्ताओं को अस्वास्थ्यकर उत्पादों की पहचान करने में मदद करती, वह भी पांच वर्षों से लंबित है।

जवाबदेही की मांग

यह अब महज़ नीतिगत बहस नहीं रही। यह सवाल जीवन और मृत्यु का है। नागरिकों को यह अधिकार है कि उन्हें बताया जाए कि वे क्या खा रहे हैं, क्या पी रहे हैं। अब जरूरी है एफएसएसएआई में उच्च-स्तरीय स्वतंत्र जांच भ्रष्टाचार और नियामक शिथिलता पर पारदर्शी रिपोर्ट जारी हो।

कफ सिरप जैसे मामलों में त्वरित ट्रेसिंग और रिकॉल सिस्टम हो ताकि जहरीली दवाएं बाजार में न रहें और न आ सके। एफओपीएल नीति का तत्काल क्रियान्वयन उपभोक्ता को सच जानने का अधिकार मिले। कॉर्पोरेट जवाबदेही हो और दोहरे मानक अपनाने वाली कंपनियों पर सख्त दंड हो।

भारत को अब तय करना होगा क्या हम एक ऐसे देश में जीना चाहते हैं जहां हर निवाला और हर दवा संभावित जहर हो। जन स्वास्थ्य की रक्षा का वादा करने वाले संस्थानों को अब केवल कानून नहीं, विश्वास भी वापस कमाना होगा। क्योंकि जब व्यवस्था ही ज़हर बन जाए, तो मौन रहना भी अपराध होता है।

अब सिर्फ भारत के नागरिकों को ही नहीं बल्कि जनस्वास्थ्य और जन खाद्य के लिए देश को तो जागरूक होना ही होगा इस से पहले स्वास्थ्य विभाग खाद्य विभाग के मंत्रालयों को भी उनके अंदर फैले भ्रष्टाचार को समाप्त करना होगा तभी जाकर आपातकाल स्थिति से बचा जा सकता है।

(लेखक बीजेएमसी की फाइनल ईयर की छात्रा है)

सज गई दुकाने, लौट आई बाजारों की रौनक, लोग जोरो - शोरों से कर रहे है खरीदारी

Faridabad/Alive News

दीपों के त्योहार दिवाली को लेकर शहर के बाजारों में इन दिनों रौनक देखने लायक है। जगह-जगह

सजे बाजारों में खरीदारी करने वाले लोगो की भीड़ भारी संख्या में उमड़ रही है। मिठाई, सजावट के समान, कपड़े, बर्तन, इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएं और उपहार की दुकानों पर ग्राहकों की खूब चहल-पहल बनी हुई है।

फरीदाबाद एनआईटी एक नंबर मार्केट में सुबह ग्यारह बजे से ही लोग दिवाली के लिए दिये, मोमबत्ती, झालर, रंगोली के रंग और लक्ष्मी गणेश की मूर्ति की खरीदी करते हुए नजर आए। मार्केट में जगह - जगह दुकानों पर पचास प्रतिशत, तीस प्रतिशत और सत्तर प्रतिशत मुफ्त की स्कीम के पोस्टर लगे हुए है। सिलेक्शन फैमिली वेयर शोरूम, साड़ी महल और चांदनी चौक साड़ी पर महिलाओं व लड़कियों की भीड़ देखी गई। जगह - जगह रंगोली के रंग और मोल्ड दुकानदारों द्वारा बेचे जा रहे है।

उनकी फूलों और झालरों की दुकान पर सुबह ग्यारह से रात ग्यारह बजे तक भीड़ रहती है इस दौरान एक मिनट के लिए भी सांस लेने तक का समय नहीं मिल रहा है। इस बार महिलाओं के साथ-साथ पुरुष भी दिवाली की खरीदारी करने के लिए अपनी पत्नी के साथ आ रहे है।-
पंकज, दुकानदार

मैं दस साल का हूं और मेरे घर में आर्थिक मजबूरी चल रही है जिस कारण मैं छह दिन से अपनी रंगोली की दुकान इस एक नंबर मार्केट में लगा रहा हूं हर दिन कम से कम छह सौ से सात सौ तक की बिक्री हो जाती है लेकिन आज एक बज गया अभी तक कोई बिक्री नहीं हुई कोई भी ग्राहक नहीं आया हालांकि आगे बिक्री होने की संभावना भी है।
-सैफ अली खान, दुकानदार पंकज, दुकानदार

बाजार में लगातार बढ़ती लोगो की भीड़ के कारण ट्रैफिक व्यवस्था बाधित होती नजर आई और वाहनों का जमावड़ा लग गया।

क्या कहना है लोगों का

दिवाली पर घर सजाने से लेकर मिठाई बांटने तक हर चीज में खुशी का एहसास होता है खरीदारी के बिना त्योहार अधूरा लगता है।

रोशनी, स्थानीय निवासी बल्लभगढ़

मैं हर साल दिवाली और छट की खरीदारी करने के लिए एक नंबर मार्केट में आता हूं और हर साल मुझे यहां कुछ नया देखने को मिलता है जैसे पानी से जलने वाला दिया और पन्नी के फूलों की लड़ी जो घर व गेट को सजाने के लिए बहुत काम आती है।

हिमांशी, स्थानीय निवासी बड़खल

दिवाली के पावन अवसर पर दुकानदारों के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही है क्योंकि इस बार पिछले साल की तुलना में बिक्री में अच्छा इजाफा देखने को मिल रहा है।

क्या कहना है दुकानदारों का

वह पांच साल से इस एक नंबर मार्केट में अपनी दुकान लगा रही है और हर साल उन्हें पिछले साल के मुकाबले ज्यादा मुनाफा होता है लोगों का रुझान इस बार खासकर सजावट और लाइटिंग के सामान की ओर ज्यादा है। उन्हें बिक्री में पिछले साल के मुकाबले इस साल करीब 30 प्रतिशत बढ़कर मुनाफा होने की संभावना है।

खुशी, दुकानदार

सेक्टर 14 में आईडीएफसी बैंक की नई शाखा से व्यापारिक गतिविधियों को मिलेगा बढ़ावा : बी.आर. भाटिया

Faridabad/Alive News

सेक्टर 14 में बुधवार को आईडीएफसी बैंक की नई शाखा का उद्घाटन सी. दास ग्रुप के चेयरमैन बी.आर. भाटिया ने रिबन काटकर और दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर सी. दास ग्रुप के प्रबंध निदेशक आर.के. भाटिया भी मौजूद रहे। इस मौके पर बी.आर. भाटिया ने कहा कि बैंकिंग सेवाओं की आसान उपलब्धता किसी भी क्षेत्र के आर्थिक विकास की रीढ़ होती है। सेक्टर 14 में खुली आईडीएफसी बैंक की इस नई शाखा से व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। आज के युग में डिजिटल बैंकिंग केवल सुविधा नहीं, बल्कि समय की आवश्यकता है। आईडीएफसी बैंक जैसी संस्थाएं न सिर्फ वित्तीय सेवाएं देती हैं, बल्कि लोगों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में अहम भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा कि फरीदाबाद उद्योग और व्यापार का केंद्र बड़ा है। ऐसे में बैंकिंग संस्थाओं की सक्रिय भूमिका इस विकास यात्रा को और रफ्तार देगी। इस मौके पर शाखा प्रबंधक अजयेश ने बताया कि फरीदाबाद में यह आईडीएफसी बैंक की आठवीं शाखा है और बहुत जल्द सेक्टर

29 में एक और नई शाखा भी खोली जाएगी। उन्होंने कहा कि इस नई शाखा के माध्यम से ग्राहकों को तेज़, सुरक्षित और आधुनिक बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। बैंक प्रबंधन के अनुसार, नई शाखा में अत्याधुनिक तकनीकी सुविधाएं जैसे डिजिटल लेनदेन, नकद निकासी और जमा, ऋण सेवाएं एवं अन्य बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध होंगी साथ ही, प्रशिक्षित स्टाफ ग्राहकों को बेहतर सेवा अनुभव प्रदान करेगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस नई शाखा से क्षेत्र की आर्थिक और सामाजिक गतिविधियों को नई दिशा मिलेगी।

वॉशिंगटन में दुनिया के भविष्य पर मंथन- कर्ज़, क्लाइमेट, और राजनीति एक मेज़ पर

वॉशिंगटन डी.सी. में इस हफ्ते (13 से 18 अक्टूबर) कुछ बड़े फैसले होने वाले हैं।

यह वो जगह है जहाँ हर साल दुनिया की अर्थव्यवस्था का रास्ता तय होता है-ङ्खश्रह्लस्र क्चड्ढठ्ठद्म और ढ्ढरूस्न की सालाना बैठकें।

लेकिन इस बार माहौल कुछ और है।

पृष्ठभूमि में उभर रहे हैं कई सवाल

क्या अमीर देश अपने कर्ज़ के जाल में फंसे गरीब देशों को राहत देंगे?

क्या जलवायु परियोजनाओं में निवेश जारी रहेगा या राजनीतिक दबाव के आगे रुक जाएगा?

और क्या वो 1.3 ट्रिलियन डॉलर की सालाना क्लाइमेट फाइनेंस डील, जिस पर दुनिया ने पिछले साल बाकू में भरोसा किया था, अब हकीकत बन पाएगी?

एक नई दौड़, एक पुरानी सियासी लड़ाई

इस साल Multilateral Development Banks (MDBs) यानी बहुपक्षीय विकास बैंकों ने रिकॉर्ड .137 बिलियन की क्लाइमेट फाइनेंस दी-जिसमें से .85 बिलियन निचले और मध्यम आय वाले देशों को गया।

यह आंकड़ा सुनने में सूखा लग सकता है, लेकिन यह बताता है कि दुनिया अब ÷बदलाव की अर्थव्यवस्था÷ में कदम रख चुकी है।

Inter-American Development Bank ने अकेले .11 बिलियन अनलॉक करने के नए टूल लॉन्च किए हैं,

EBRD और AIIB ने जलवायु को शीर्ष प्राथमिकता बनाया है,

और New Development Bank (BRICS बैंक) ने पहली बार क्लाइमेट फाइनेंस को अपने मिशन का केंद्र बनाया है।

पर इसी बीच, वर्ल्ड बैंक और IMF के भीतर राजनीति गरम है।

अमेरिका की नई ट्रंप-समर्थक टीम इन संस्थाओं से कह रही है-फॉसिल प्रोजेक्ट्स को मत भूलो।

उनकी नज़र 'गैस और न्यूक्लियर' को फिर से एनर्जी मिक्स में शामिल करने पर है।

दूसरी तरफ़ यूरोप और ब्रिटेन जैसे शेयरहोल्डर्स वर्ल्ड बैंक को उसके क्लाइमेट मिशन पर टिके रहने का आग्रह कर रहे हैं।

IMF के भीतर भी हलचल है।

ट्रंप प्रशासन के पूर्व अधिकारी डेनियल कैट्ज़ अब

IMF के डिप्टी डायरेक्टर हैं, और उन्होंने साफ कहा है कि ÷क्लाइमेट, जेंडर, और सोशल एजेंडा÷ पर इतना ज़ोर देना ज़रूरी नहीं।

यानी, संस्थागत सुधार की आड़ में क्लाइमेट एजेंडा को पीछे धकेलने की कोशिशें भी जारी हैं।

1.3 ट्रिलियन डॉलर का सवाल

15 अक्टूबर को जी20 फाइनेंस मंत्रियों की मीटिंग के दौरान Circle of Finance Ministers Report जारी होगा-

यही रिपोर्ट "Baku-to-Belém Roadmap" का आधार बनेगी, जो 27 अक्टूबर को आने वाली है।

इस रोडमैप में तय होगा कि देश मिलकर कैसे हर साल 1.3 ट्रिलियन डॉलर जुटाएँगे, ताकि COP29 में किए वादे पूरे हों।

Inter-American Development Bank पहले ही इस मॉडल को लैटिन अमेरिका और कैरिबियन में पायलट कर रहा है।

लेकिन असली सवाल यह है कि क्या दुनिया इतनी बड़ी राशि जुटा पाएगी- जबकि कर्ज़, राजनीतिक खींचतान और चुनावी दबाव एक साथ सिर उठा रहे हैं?

कर्ज़ की राजनीति और ग्लोबल साउथ की बेचैनी

Debt Relief इस साल के एजेंडा का दूसरा बड़ा मुद्दा है।

कई अफ्रीकी देशों और उभरती अर्थव्यवस्थाओं ने "Borrowers2 Club" और "African Debt Leaders Initiative" जैसे मंच बनाकर अपनी नाराज़गी जताई है-कहते हैं कि रिफॉर्म्स की रफ्तार बहुत धीमी है।

IMF से अब उम्मीद की जा रही है कि वह इन प्रस्तावों को आगे बढ़ाएगा, लेकिन अमेरिकी दबाव और संस्थागत राजनीति के बीच यह संतुलन आसान नहीं होगा।

14 अक्टूबर को "Sovereign Debt, the Climate Challenge, and Geoeconomics" नाम से एक हाई-लेवल इवेंट होगा, जिसमें अफ्रीका के पूर्व प्रधानमंत्री हैलेमारियम डेसालेन जैसे नेता शामिल होंगे।

यह बातचीत तय करेगी कि आने वाले महीनों में ग्लोबल साउथ अपनी शर्तों पर कितनी मजबूती से खड़ा हो सकता है।

क्लाइमेट फाइनेंस का असली संघर्ष

ये बैठकें हमें याद दिलाती हैं कि जलवायु वित्त केवल पैसे का सवाल नहीं है-यह भरोसे का भी सवाल है।

क्या अमीर देश अपने वादों पर कायम रहेंगे?

क्या गरीब देश बिना नए कर्ज़ के क्लाइमेट एक्शन को आगे बढ़ा पाएंगे?

और क्या वैश्विक बैंकिंग सिस्टम, जो दशकों से पुराने ढर्रे पर चलता आया है, अब जलवायु युग के लिए खुद को नया रूप दे

Faridabad News

ALIVE NEWS
E-mail : alivenews30@ gmail.com
website: www.alivenews.co.in

दुर्गा बिल्डर से बॉम्बे एक्सप्रेसवे तक जाने वाली करोडों की सीमेंटेड सड़क पानी में डूबी, रोज हो रहे हादसे

Faridabad/Alive News

नगर निगम ने करीब सात साल पहले करोडों रूपये खर्च कर बनाई दुर्गा बिल्डर सेक्टर 91 से होते हुए बॉम्बे एक्सप्रेसवे को जोड़नल वाली सीमेंटेड सड़क पानी में डूब गई है। सड़क पर सीवर का पानी भरने होने से आज बुधवार को सवारियों से भरा एक ऑटो पलट गया। आस पास मौजूद लोगों ने सवारियों को एक एक कर ऑटो से बाहर निकाला। गनीमत यह रही कि किसी भी व्यक्ति को कोई चोट नहीं आई। इस दौरान कई ऑटो पानी में बंद होते हुए भी नजर आए। इस तरह के हादसे होना अब यहां आम बात हो गई है। रोज होते हादसों को देखकर भी प्रशासन अनदेखा कर रहा है। स्थानीय लोगों के कई बार शिकायत करने के बावजूद भी नगर निगम अधिकारी संज्ञान नहीं ले रहे।

भाजपा की सरकार में नगर निगम ने बसंतपुर से नए पुल तक जाने वाले मार्ग पर जाम को कम करने के लिए सेक्टर 91 दुर्गा बिल्डर से होते हुए नए पुल तक जाने के लिए करोड़ों रुपये लगाकर सड़क निर्माण किया था। यह सड़क बिना बारिश के ही पानी में डूबी रहती है। इसका कारण यह है कि यहां रोशन नगर, अगवानपुर, सेहतपुर और विनय नगर की कॉलोनी के सीवर साफ करने वाले टैंकर बिना रोकटोक के धड़ल्ले से खाली किए जा रहे है।

कुछ हफ्ते पहले हुई बारिश की वजह से भी यहां के पानी का लेवल और बढ़ गया है और अब यह पानी सड़क पर जमा हो गया है। इस जलभराव से चार पहिया वाहन तो यहां से आसानी से निकल जाते हैं लेकिन दुपहिया वाहन चालक पानी में गिर रहे हैं। आज तो सवारी से भरा ऑटो पलट गया है। इसका कारण यह भी है कि सड़क के दोनों ओर की सालों से जलभराव है और अब वह सड़क पर आ गया है। वाहनों के लगातार आवागमन से तथा पानी के भरने से सड़क की जगह से टूट चुकी है।

क्या कहना है सुपरिटेंडेंट इंजीनियर का

मेरे पास इसकी कोई शिकायत नही आई है। लेकिन, हमने जो सड़क बनाई है उस पर पानी नहीं भर सकता। फिर भी ऐसा हुआ है तो मैं जल्द ही जेई को भेजकर मौका दिखाता हुं। इसका जल्द समाधान कराया जायेगा।

-ओमवीर, सुपरिटेंडेंट इंजीनियर- नगर निगम फरीदाबाद।

डायनेस्टी इंटरनेशनल स्कूल में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय कन्या दिवस

Faridabad/Alive News

डायनेस्टी इंटरनेशनल विद्यालय में 11 अक्टूबर 2025 को अंतरराष्ट्रीय कन्या दिवस मनाया गया। यह कार्यक्रम विद्यालय के प्रधानाचार्य नितिन वर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने नृत्य, कविता-पाठ, भाषण और पोस्टर प्रदर्शनी के माध्यम से समाज में बेटियों के महत्व पर संदेश दिया।प्रधानाचार्य नितिन वर्मा ने कहा, 'कन्या केवल परिवार ही नहीं, बल्कि पूरे समाज की शक्ति है। जब हम एक बेटी को शिक्षित करते हैं, तो हम आने वाली पीढ़ियों को शिक्षित करते हैं।' कार्यक्रम का उद्देश्य बेटियों की शिक्षा, सुरक्षा और सशक्तिकरण के प्रति जागरूकता फैलाना था। विद्यालय परिवार ने यह संकल्प लिया कि हर बेटी को समान अवसर और सम्मान प्रदान किया जाएगा।

फरीदाबाद वालों के लिए गुड न्यूज, नए साल में मिल सकता है एम्स का तोहफा

Faridabad/Alive News

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान संस्थान (एम्स) नई दिल्ली की ओर से फतेहपुर बिल्लौच गांव में अस्पताल का निर्माण कार्य यूं तो सितंबर-2025 में बनाकर तैयार किया जाना था, पर किन्हीं कारणों से यह समय पर पूरा नहीं हो सका। अब इसका निर्माण नववर्ष तक पूरा होने की उम्मीद है। अस्पताल प्रबंधन ने चार कमरों को जल्द तैयार करके देने के लिए कहा है। ताकि डॉक्टरों को बैठाया जा सके। इससे ग्रामीण अंचल में लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेंगी।

एम्स को अस्पताल बनाने के लिए फतेहपुर बिल्लौच की पंचायत ने 2008 में नौ एकड़ भूमि दी थी। यहां पर एम्स ने 15 बिस्तरों का अस्पताल बनाने 20 करोड़ रुपये का बजट मंजूर कर दिया और सीपीडब्ल्यूडी को भवन बनाने का जिम्मा सौंप दिया। सीपीडब्ल्यूडी ने भवन बनाने का कार्य सितंबर-2024 में शुरू कर दिया। तब से लेकर अब तक अस्पताल का सिर्फ ढांचा बनकर तैयार हुआ है। यहां पर दो ओपीडी के लिए कमरे बनाए गए हैं। चार डॉक्टरों के बैठने के लिए कमरे बनाए गए हैं। दो ओपीड़ी तैयार की गई हैं। फार्मेसी का कमरा बनाया गया है। सामान्य वार्ड बनाया गया है। अभी ढांचे पर प्लास्टर, खिड़की, शीशे लगाने कार्य चल रहा है। इसके बाद अस्पताल के उपकरण लगाए जाएंगे। अस्पताल में सेवा देने वाले डाक्टरों के लिए निवास भी बनाए जाने हैं।

आसपास गांवों को मिलेगा स्वास्थ्य लाभ

फतेहपुर बिल्लौच एक कस्बा है। गांव की आबादी 30 हजार है। गांव में एक भी एमबीबीएस डॉक्टर नहीं है। रात के समय गंभीर बीमार होने पर ग्रामीणों को बल्लभगढ़-फरीदाबाद के अस्पतालों में लेकर दौड़ना पड़ता है। एम्स का अस्पताल बनने से गांव के 30 हजार ग्रामीणों तथा आसपास के लढौली, पन्हैड़ा कलां, जवां, ककड़ीपुर, मांदकौल, शाहपुर कलां, डीग, प्रहलादपुर माजरा डीग के हजारों ग्रामीणों को घर के नजदीक अच्छी स्वास्थ्य सेवा मिलेंगी। डिलीवरी के लिए एंबुलेंस बुलाकर बादशाह खान या सेक्टर-तीन की रैफरल इकाई नहीं दौड़ना पड़ेगा।

एम्स ने अस्पताल बना दिया है, यह हमारे गांव के लिए बड़ी बात है। छह महीने भले और समय लग जाए। कम से कम ग्रामीणों को अच्छे डॉक्टरों से इलाज तो मिलेगा। यहां के डॉक्टर गंभीर स्थिति में सीधे दिल्ली एम्स में भर्ती करा सकेंगे।

-जगदीश गोयल, ग्रामीण

एनआईटी एक की मार्केट में बरसों से पार्किंग की व्यवस्था नहीं, त्योहार पर खरीदार फसे जाम के झाम में

Faridabad/Alive News

त्योहारी सीजन शुरू हो गया है और मार्केट में पार्किंग की व्यवस्था न होने पर लोगों को परेशानियों का सामना करना पड रहा है। शहर का सबसे बड़ा बाजार एनआईटी एक नंबर मार्केट में पार्किंग की कोई सुविधा नहीं है।

ऐसे में यहां आने वाले लोगों के लिए बड़ा सवाल है कि अपने वाहनों को पार्क कहां करे। इस कारण लोग कही भी अपने वाहन पार्क कर शॉपिंग करने चले जाते है जिससे यहां जाम लग जाता है और लोगों को परेशानी उठानी पड़ती है।

प्रशासन से दुकानदार कई बार मार्केट में पार्किंग सुविधा देने की मांग कर चुके है, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है।

बड़खल विधानसभा की एनआईटी एक नंबर मार्केट नए फैशन और डिजाइन के लिए जानी जाती है। इस मार्केट में पार्किंग की समस्या पुरानी है। एक ओर जहां पार्किंग की व्यवस्था नहीं की गई है। पार्किंग की कमी के कारण खरीदार कम समय में ही बाजार से लौट जाते

लोग नया फैशन आते ही शॉपिंग के लिए यहां पहुंचे है। वहीं, दूसरी और लोगों को मार्केट में अपने परेशानी होती है. इस मार्केट में कहीं भी है। इससे उनकी बिकि पर भी असर पड़ रहा है ।

सुरक्षा को लेकर मार्केट आने वाले खरीदारों ने क्या कहा।

करवा चौथ की वजह से एक नंबर मार्केट में आना पड़ा है। दो किलोमीटर दूर बाहर सड़क पर गाड़ियां पार्क की, तब जाकर पैदल मार्केट में आई हूं, लेकिन यहां पर मार्केट में पैर रखने की जगह नहीं है और दूर दूर तक पुलिसकर्मी भी नजर नहीं आये और भीड वाली मार्केट राम भरोसे दिखाई दी।

- महिला मुनि, डबुआ कालोनी।

मैं अपने पति के साथ मेंहदी लगवाने के लिए मार्केट में पहुंचीं हूं और भीड़ की वजह से सड़क पर जाम होने के कारण मार्केट में प्रवेश नहीं कर पाई, इसलिए अपने कालोनी की मार्केट में जाकर ही मेहंदी लगवाऊगी। इतनी बडी मार्केट और ऊपर से भीड व जाम को खुलवाने वाला और महिलाओ की सुरक्षा की गारंटी देने वाली पुलिस ही मार्केट मे मौजूद नहीं थी।

- शालू संजय कालोनी।

फरीदाबाद में दीवाली की धूम, ग्राहकों से भरी मिठाइयां और उपहारों की दुकानें

Faridabad/Alive News

दिवाली नजदीक आते ही बाजारों में रौनक बढ़ गई है। घरों को रोशन करने के लिए सजावटी सामान, बिजली की लड़ियां, दीये और मोमबत्तियां बेचने वाली दुकानें सज गई हैं। लोग सजावटी सामान की खरीदारी में जुटे हैं। एनआईटी, ओल्ड फरीदाबाद, बल्लभगढ़ और सेक्टर-14 क्षेत्र में मिठाइयों की भी खूब खरीदारी हो रही है।

हिंदुओं का एक प्रमुख और पवित्र त्योहार दिवाली बड़े हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया जाता है। यह त्योहार न केवल दीये और मिठाइयां जलाने का, बल्कि प्यार और उपहार बांटने का भी अवसर प्रदान करता है।

सफाई के तुरंत बाद सजावट शुरू हो जाती है। दिवाली पर घरों को रंगोली, मालाओं, दीयों, मोमबत्तियों लड़ियों, कागज के दीयों और विभिन्न सजावटी वस्तुओं से सजाते हैं।

और फूलों से सजाया जाता है। कई लोग अपने घरों को बिजली की नतीजतन, बाजारों में कृत्रिम फूल और माला खूब बिकती हैं।

दिवाली पर मिठाई और उपहार बांटने की भी परंपरा है। लक्ष्मी और गणेश की पूजा के लिए विशेष तैयारियां की जाती हैं। बल्लभगढ़ निवासी प्रियंका और गुंजन ने बताया कि उन्होंने अपने घरों को सजाने के लिए सजावटी सामान खरीद लिया है। आर्य समाज रोड नंबर 1 स्थित मिठाई विक्रेता मनमोहन बताते हैं कि आजकल लोग मिठाइयों के साथ ड्राई फ्रूट्स के पैकेट भी पसंद कर रहे हैं।

फलों के जूस के पैकेट भी उपहार के रूप में दिए जा रहे हैं। पांच नंबर मार्केट स्थित महादेव गिफ्ट शॉप के बंसी लाल कुकरेजा कहते हैं कि दिवाली से पहले ही उपहारों की खरीदारी बढ़ जाती है। इन दिनों ब्रांडेड कंपनियों के पानी के जग, इलेक्ट्रिक केतली, लंच बॉक्स और डिनर सेट खूब बिक रहे हैं।

सतयुग दर्शन वसुंधरा में त्रिदिवसीय आध्यात्मिक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

Faridabad/Alive News

भूपानी स्थित सतयुग दर्शन वसुंधरा परिसर में विश्व का प्रथम 'समभाव समदृष्टि के स्कूल' द्वारा तीन दिवसीय आध्यात्मिक प्रशिक्षण शिविर का सफल आयोजन किया गया।

इस शिविर का मुख्य उद्देश्य आगामी दिनों में जालंधर, पंचकुला, अंबाला और मुरादाबाद में खुलने वाले समभाव - समदृष्टि के स्कूलों की रूपरेखा एवं उनके महत्व को साझा करना था।

शिविर के प्रमुख बिंदु इस प्रकार रहे

'समभाव समदृष्टि के स्कूल का अर्थ और महत्व', 'मन' की परिभाषा एवं मन को उपशम रखने की विधि';, 'संस्थान प्रमुख की भूमिकाएँ और जिम्मेदारियां', 'एक इंटरैक्टिव क्विज़ एवं प्रश्नोत्तरी के माध्यम से सतवस्तु'; विषय पर गहन जानकारी दी गई।

'परफेक्ट टीचर कैसे बनें' और 'समभाव समदृष्टि की कक्षाओं में सही अनुशासन व सच्चे विद्यार्थी के गुण' पर चर्चा की गई। इसके अतिरिक्त शिविर के माध्यम से यह संदेश भी दिया गया कि शिक्षा केवल ज्ञानार्जन तक सीमित न होकर मानवता, अनुशासन और आत्मचिंतन के मूल्यों को भी समाज में स्थापित करने का माध्यम बने।

सबकी जानकारी हेतु बता दें

कि फरीदाबाद, भूपानि ग्राम स्थित सतयुग दर्शन ट्रस्ट (रजि.) महाबीर सत्संग सभा का विस्तारित रूपांतरण है और इसका परिसर सतयुग दर्शन वसुन्धरा के नाम से प्रसिद्ध है। सतयुग दर्शन वसुन्धरा पर स्थापित ध्यान-कक्ष यानि विश्व का प्रथम समभाव-समदृष्टि का स्कूल जिसका निर्माण सतवस्तु के कुदरती ग्रन्थ में विदित कुदरती कला के अनुसार हुआ है, उसकी दिव्यता को दृष्टिगत रखते हुए हरियाणा सरकार ने इसे 'पावन दर्शनीय स्थल घोषित' कर दिया है। इसी तरह भारत सरकार ने भी इसे 'अतुल्य भारत यानि इनक्रेडिबल इंडिया' के तहत् शामिल कर, इसको वास्तुकला की सुंदरता की अद्वितीय मिसाल माना है।

इतना ही नहीं, सबको बता दें कि यहाँ की प्रत्येक गतिविधि वैश्विक स्तर पर हर मानव को सतयुग की आद् संस्कृति से परिचित करा उसे पुनः मानवता का प्रतीक बनाने के निमित्त ही संचालित होती है ताकि आज का विषयग्रस्त मानव समय रहते ही मानवता का स्वाभिमान और सतयुग की पहचान बन अपनी आद् इलाही शान को प्राप्त हो, सजनता का प्रतीक बन सके। इसी के साथ एकता, एक अवस्था में स्थित रहते हुए निष्काम भाव से हर विध् कुदरती वेद-विहित् ज्ञान अनुसार, जगत कल्याण के निमित्त समर्पित हो, परोपकार प्रवृत्ति में ढल सके और निर्विकारिता से जीवन जीने के योग्य बन सके।

आपकी जानकारी हेतु कुदरत के हुक़्मानुसार जनहित के लिए भारत देश के कई शहरों में मानव को मानवता का पाठ पढ़ाने हेतु ÷समभाव-समदृष्टि÷ के स्कूल खोले जा रहे हैं जिसमें वहाँ के निष्काम शिक्षकों द्वारा नागरिकों को निशुल्क शिक्षा दी जाएगी। जिसमें किसी भी आयु वर्ग का, किसी भी जाति का कोई भी व्यक्ति आ सकता है और एक अच्छा आध्यात्मिक ज्ञान से भरपूर नागरिक बनकर खुद को, परिवार को व समाज को नई दिशा दे सकता है।

इसी उद्देश्य की सिद्धि हेतु सतयुग दर्शन वसुंधरा से हर सजन को मानवता का प्रतीक बनाने हेतु प्रतिवर्ष राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अन्य कई कार्यक्रम भी चल रहे हैं। इन कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य है कि आज के समय काल में मानसिक रूप से संतप्त हर मानव पुनः शांति शक्ति का प्रतीक बन सके। उसके लिए मानवता-ई-ओलमपियाड, Spiritual Eloquence, Spiritual Echoes, संगीत एवं कला की भिन्न - भिन्न प्रतियोगिताओं द्वारा हर मानव को भाव-स्वभाव परिवर्तित करने के लिए उत्साहित किया जा रहा है ताकि वह भ्रष्टाचारिता, दुराचारिता, व्यभिचारिता के स्वभाव से ऊपर उठ, पुनः सदाचारिता का प्रतीक बन, यथार्थ रूप से मानवता की पहचान बने।

ज्ञात हो जहाँ इन गतिविधियों का लक्ष्य आत्मज्ञान के सद्प्रभाव से हर मानव के मन-मस्तिष्क को स्थिर रखते हुए, परिवारों में एकता व शांति का वातावरण का निर्माण करना है, वही वैश्विक स्तर पर हर मानव के मन को वसुधैव कुटुम्बकम्ब के भाव से भी सींचना है। याद रखो ऐसा भाव स्वाभाविक परिवर्तन होने पर ही हर मानव सतयुग की संस्कृति को अपनाने के योग्य बन, जीवन में हर क्षण सत्य धर्म पर टिका रह सकता है व यश कमा सकता है।अतः इस भाव-स्वाभाविक परिवर्तन के खेल को समझते हुए हमारे लिए भी बनता है कि हम सतयुग दर्शन ट्रस्ट की इन गतिविधियों से जुड कर लाभान्वित हो और सजनता का प्रतीक बनें। आपकी जानकारी हेतु आप इस हेतु प्ले स्टोर पर जाकर, सतयुग दर्शन ट्रस्ट की ऐप डाउनलोड कर सकते हैं व सहज ही सतयुगी संस्कृति अपना जीवन सार्थक करने का शुभारंभ कर सकते हैं।

डी.ए.वी में आनंद स्वामी जैसे महापुरुषों ने सींचा आर्य समाज

Faridabad/Alive News

आर्य प्रादेशिक प्रतिनिधि उपसभा, हरियाणा के तत्वावधान में समस्त आर्य समाजों, आर्य युवा समाजों, डी.ए.वी. विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में 2 अक्टूबर से 29 अक्टूबर तक वैदिक संस्कार पुण्यमास बड़े ही हर्षोल्लास और श्रद्धाभाव के साथ मनाया जा रहा है।

इसी श्रृंखला के अंतर्गत डी.ए.वी. शताब्दी महाविद्यालय, फरीदाबाद के वाणिज्य विभाग द्वारा एक यज्ञ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभाग के सभी प्राध्यापक एवं विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। यज्ञब्रह्म एवं कार्यक्रम के संयोजक डॉ. अमित शर्मा ने यज्ञ उपरांत अपने संबोधन में कहा कि स्वामी दयानंद सरस्वती द्वारा लगाए गए आर्य समाज रूपी वृक्ष को उनके बाद महापुरुष आनंद स्वामी जैसे समाज सुधारकों ने अपने त्याग और सेवा भाव से सींचा है। उन्होंने शिक्षा, धर्म और

सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया, जिससे समाज में नैतिक मूल्यों और आध्यात्मिक चेतना का प्रसार हुआ। डॉ. शर्मा ने कहा कि आनंद स्वामी के मार्गदर्शन में आर्य समाज ने न केवल धार्मिक चेतना को पुनर्जीवित किया, बल्कि सामाजिक सुधार की दिशा में भी प्रेरणादायक कदम उठाए। इस अवसर पर मैडम सुनीता डुडेजा, नीति नागर, मीनाक्षी आहूजा, गार्गी शर्मा, हार्दिक मल्होत्रा, एवं अनुज सहित विभाग के सभी प्राध्यापक उपस्थित रहे।

करवाचौथ व्रत को लेकर नवविवाहित महिला दिखी उत्साहित, जमकर की खरीदारी

Faridabad/Alive News

करवाचौथ का पर्व नजदीक आते ही शहर के बाजारों में रौनक बढ़ गई है। खासतौर पर पहली बार करवा चौथ का व्रत रखने वाली महिलाओं में खास उत्साह देखने को मिल रहा है। महिलाएं अपने पहले व्रत को यादगार बनाने के लिए मेहंदी, साड़ी, चूड़ियों और साज-सज्जा के सामान की खरीदारी में जुटी हैं। करवाचौथ के त्योहार को लेकर नवविवाहित महिला अपने पति की लंबी उम्र के लिए व्रत रखेंगी। महिला अपने पहले करवाचौथ को यादगार बनाने के लिए बाजारों में जाकर सोलह श्रृंगार चूड़ी,सिंदूर, बिंदी, बिछिए, साड़ी, नाखुनी, आलता और मेहंदी आदि की खरीदी कर रही है। करवाचौथ पर सुंदर दिखने के लिए महिला ब्यूटी पार्लर में जाकर फेशियल, आइब्रो और अपने हाथों में मेहंदी लगवा रही है। कई महिलाएं तो अपने पति को करवाचौथ का गिफ्ट देने लिए सोने और चांदी की खरीदी कर रही है।

क्या कहना है महिलाओं का

करवाचौथ मेरे वैवाहिक जीवन का सबसे पवित्र व्रत है। यह सिर्फ परंपरा नहीं, बल्कि प्रेम और विश्वास का प्रतीक है। पूरे दिन व्रत रखना मुश्किल जरूर होता है, लेकिन जब पति मुस्कुराते हुए पानी पिलाते हैं, तो सारी मुश्किलें दूर हो जाती है।

- अर्चना, मीठापुर

करवाचौथ मेरे लिए बहुत खास दिन है। यह सिर्फ पति की लंबी उम्र का व्रत है। इस दिन महिलाओं को अपने पति और मायके से काफी सारे गिफ्ट मिलते है और यह मेरा पहला व्रत है तो मैं गिफ्ट लेने के लिए बहुत उत्सुक हुं।

-मुस्कान, ओखला

कॉलेज में कराया गया रशियन डांस, अब एसडीएम कार्यालय के बाहर हुआ कुछ ऐसा कि हक्के-बक्के रह गए अधिकारी

Faridabad/Alive News

अग्रवाल कॉलेज में रशियन डांस के प्रदर्शन के विरोध में शहर के कुछ लोगों ने एसडीएम कार्यालय पर प्रदर्शन किया। एसडीएम की अनुपस्थिति में प्रदर्शनकारियों ने पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) को उनके कार्यालय में ज्ञापन सौंपा।

संदीप बहादुरपुर के नेतृत्व में प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि कॉलेज प्रबंधन रूसी नृत्य का आयोजन कर अश्लीलता को बढ़ावा दे रहा है। कार्यक्रम में मौजूद छात्रों के माता-पिता, भाई और रिश्तेदार इस बात से चिंतित हैं कि इससे कॉलेज प्रबंधन की क्या छवि बनेगी। प्रबंधन को इस निंदनीय नृत्य के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और समुदाय के सदस्यों की एक समिति इस घटना की जांच करे। उन्होंने मांग की कि कॉलेज की प्रबंधन समिति के अध्यक्ष को हटाया जाए और कॉलेज प्रबंधन को भविष्य में ऐसी गलती न दोहराने की चेतावनी दी जाए।

इस मामले में एसडीएम मयंक भारद्वाज ने बताया कि अग्रवाल कॉलेज में रूसी नृत्य प्रदर्शन के संबंध में कुछ लोगों ने उनके कार्यालय के उपाधीक्षक राजेश जिंदल को ज्ञापन सौंपा है। वह ज्ञापन को उपायुक्त को भेजेंगे और उनके निर्णय के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

प्रत्येक विभाग अपने पोर्टल मामलों की प्रगति की नियमित करें समीक्षा : डीसी

Faridabad/Alive News

हरियाणा सरकार मुद्रण एवं लेखन सामग्री विभाग आयुक्त एवं सचिव विजय सिंह दहिया द्वारा आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी जिलों के उपायुक्तों के साथ समाधान शिविर, सीएम विंडो, एसएमजीटी पोर्टल और जनसंवाद पोर्टल पर लंबित शिकायतों की स्थिति की समीक्षा हेतु बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी जिला उपायुक्त अपने-अपने जिलों में समाधान शिविरों, सीएम विंडो, जन-संवाद तथा एसएमजीटी पोर्टल पर प्राप्त जन शिकायतों का शीघ्र, पारदर्शी व संतोषजनक समाधान सुनिश्चित करें। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के उपरांत उपायुक्त (डीसी) विक्रम सिंह ने सभी विभागों के अधिकारियों की बैठक आयोजित कर समाधान शिविर, सीएम विंडो, एसएमजीटी पोर्टल और जनसंवाद पोर्टल की गहन समीक्षा की। बैठक के दौरान उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि पोर्टल पर दर्ज शिकायतों और समस्याओं

का निपटान प्रभावी, स्थायी और पारदर्शी ढंग से किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विभाग यह सुनिश्चित करे कि शिकायतों की एंट्री सटीक, स्पष्ट और वास्तविक स्थिति के अनुरूप दर्ज की जाए, ताकि मुख्यालय स्तर पर वही शिकायतें पुनः खुलने की स्थिति न बने। उन्होंने जोर देकर कहा कि हर अधिकारी अपने विभाग से संबंधित पोर्टल पर पंजीकृत शिकायतों की पूरी जानकारी रखे तथा उनके समाधान की प्रगति की समय-समय पर समीक्षा भी करते रहे। डीसी विक्रम सिंह ने कहा कि हरियाणा के माननीय मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी स्वयं समाधान शिविर, सीएम विंडो, एसएमजीटी पोर्टल और जनसंवाद पोर्टल के माध्यम से दर्ज शिकायतों की निगरानी कर रहे हैं और मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जिला स्तर तक मामलों की समीक्षा की जा रही है, ऐसे में समाधान शिविर, सीएम विंडो, एसएमजीटी पोर्टल और जनसंवाद पोर्टल में आने वाली समस्याओं को अधिकारी गंभीरता से लें और उनका समयबद्ध तरीके से समाधान करें। शिकायतों के निपटारे में केवल प्रशासनिक या कानूनी पहलुओं पर ध्यान देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसमें मानवीय दृष्टिकोण और व्यावहारिक संवेदनशीलता को भी समान रूप से शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा जताई कि समस्याओं का समाधान इस प्रकार किया जाए, जिससे नागरिकों को वास्तविक राहत और संतोष प्राप्त हो सके।

बैठक में एडीसी सतबीर मान, सीईओ जिला परिषद शिक्षा, एसडीएम बड़खल त्रिलोक चंद, एसडीएम फरीदाबाद अमित कुमार, एसडीएम बल्लभगढ़ मयंक भारद्वाज, डीसीपी ऊषा सहित अन्य सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

साइबर फ्रॉड की तत्काल सूचना देने के लिए डायल करें 1930 : डीसी

Faridabad/Alive News

डीसी विक्रम सिंह ने जिले वासियों से अपील की है कि सोशल मीडिया के दौर में बढ़ते साइबर क्राइम के मामलों को रोकने व धोखाधड़ी के मामले की सूचना तत्काल देने के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा हेल्पलाइन नंबर1930 जारी किया हुआ है जिस पर तत्काल सूचना दें, तथा आमजन साइबर फ्रॉड से बचने के लिए जागरूक रहें।

डीसी विक्रम सिंह ने कहा कि पिछले कुछ सालों से लोगों में ऑनलाइन शॉपिंग के बढ़ते क्रेज के कारण अक्सर लोग सोशल मीडिया पर बंपर डिस्काउंट, लॉटरी या फिर इनामी विज्ञापनों के झांसे में आ जाते हैं। ऐसे में पहले यह सुनिश्चित कर लें कि इस्तेमाल की जा रही वेबसाइट सुरक्षित है या नहीं। उन्होंने कहा कि अगर संभव है तो कोशिश करें कि ऑनलाइन साइट्स से सामान मंगाते समय कैश ऑन डिलीवरी का

ऑप्शन चुने ताकि आपकी बैंक और कार्ड डिटेल साइबर अपराधियों के हाथ न लग सके। उन्होंने कहा कि यदि फिर भी किन्ही कारणों से आपके साथ किसी प्रकार की साइबर धोखाधड़ी होती है तो आप सबसे पहले हेल्पलाइन नंबर1930 डायल करें और अपनी शिकायत को साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर दर्ज करें।

डीसी ने जिला के नागरिकों से अपील की है कि वे साइबर अपराधों से सावधान रहें और अपने परिवार के सदस्यों को भी जागरूक करें। डीसी ने बताया कि साइबर धोखाधड़ी जैसे अपराध की रिपोर्ट करने के लिए पुलिस स्टेशन जाकर पारंपरिक तरीके से एफआईआर कराने व उसकी जांच होना एक लंबी प्रक्रिया है। ऐसे में तुरंत कार्रवाई के लिए हेल्पलाइन का विकल्प सबसे सर्वोत्तम माध्यम है।

उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों की जितनी जल्दी सूचना दी जाए, उतना ही सही है ताकि आगे की ट्रांजेक्शन को रोकने के लिए पीड़ित को त्वरित सहायता प्रदान की जाए। उन्होंने कहा कि पीड़ित व्यक्ति नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर भी अपनी शिकायत दर्ज करा सकता है।

मोहना एलिवेटेड मार्ग निर्माण को लेकर मलेरना रोड का प्रवेश द्वार किया बंद, लोगों को हो रही परेशानी

Faridabad/Alive News

मोहना एलिवेटेड मार्ग का निर्माण कार्य अब गुप्ता होटल चौक से लेकर आकाश सिनेमा तक शुरू कर दिया है। यही कारण है कि पीडब्ल्यूडी ने अब मलेरना रोड और मुकेश कालोनी के प्रवेश द्वार बेरीकेडिंग करके बंद कर दिए हैं। इन प्रवेश द्वारों के बंद होने से लोगों को बाजार में खरीदारी करने आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ेगा। दुकानदार चाहते हैं कि इन दोनों प्रवेश द्वारों को दिवाली तक बंद न किया जाए।

मोहना एलिवेटेड मार्ग के लिए ऊंचा गांव से लेकर मलेरना के प्रवेश द्वार तक पिलर बनाए जा चुके हैं। अब पिलर गुप्ता होटल चौक से लेकर आकाश सिनेमा तक बनाए जाने हैं। मोहना रोड पर मलेरना रोड और मुकेश कालोनी की तरफ से आने वाले वाहनों के आवागमन को रोकने के लिए नाले के साथ पंजाबी धर्मशाला से लेकर आकाश सिनेमा तक पीछे वैकल्पिक मार्ग बनाया गया है। अब पीडब्ल्यूडी ने मलेरना

रोड और मुकेश कालोनी के प्रवेश द्वार को बेरीकेडिंग करके बंद कर दिया। मोहना रोड पर आने वाले वाहन को वैकल्पिक मार्ग से निकलने में जाम का सामना करना पड़ रहा है। मोहना रोड पर पिलर बनाने के लिए मशीन ने ड्रिल किया तो यह सीवर लाइन में हो गया। अब यहां पर सीवर लाइन में ड्रिल होने के कारण निर्माण कार्य भी रुक गया है। सीवर लाइन का पाइप बदलना होगा। इससे और अधिक समय लगेगा।

मोहना रोड पर एलिवेटेड निर्माण चलने के कारण आदर्श नगर, ऊंचा गांव, मलेरना रोड, विष्णु कालोनी, गर्ग कालोनी, हरी विहार, मुकेश कालोनी, महावीर कालोनी के लोगों का बाजार में आना पूरी तरह से बंद हो गया। दीवाली का त्योहार है। अब त्योहार के लिए खरीददारी करने के लिए कहां जाएं।

– नीलम मित्तल, गृहिणी

क्या कहना है प्रधान का

कुछ लोगों ने बाजार में दुकानदार पहले से ही तय किए हुए हैं। त्योहार व शादी-विवाह के मौके पर इनसे खरीददारी करते हैं। मलेरना रोड आदर्श नगर की तरफ बल्लभगढ़ की आधी आबादी बसती है। इस आबादी को ध्यान में रखते हुए दीवाली के बाद मोहना रोड को बंद किया जाना चाहिए। ताकि दुकानदारों का व्यवसाय भी प्रभावित न हो।

– प्रदीप गुप्ता, प्रधान मोहना रोड गुप्ता होटल चौक मार्केट

क्या कहना है लोक निर्माण विभाग का

मोहना एलिवेटेड मार्ग के निर्माण को लेकर कौन-कौन से रास्ते बंद किए हैं, यह जानकारी नहीं है। काम करना है तो रास्तों को बंद करना ह पड़ेगा। इसलिए वैकल्पिक मार्ग बनाया है। जाम का सामना एक-दो दिन होगा, फिर वाहन खुद निकलने शुरू हो जाएंगे। जब पंजाबी धर्मशाला से मलेरना रोड तक ट्रैफिक निकाला था तो ऐसे जाम लगा था। अब कोई जाम नहीं लगता।

– प्रकाशलाल, कार्यकारी अभियंता लोक निर्माण विभाग फरीदाबाद

छठ पूजा से पहले यमुना की सफाई और स्वच्छता सुनिश्चित करें अधिकारी : एडीसी

Faridabad/Alive News

छठ पूजा पर्व को ध्यान में रखते हुए हरियाणा सरकार के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने निर्देश दिए हैं कि यमुना नदी के किनारे स्थापित सभी एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) पूर्ण क्षमता से चालू रखे जाएं, ताकि नदी का जल स्वच्छ एवं प्रदूषण मुक्त बना रहे। आगामी छठ पूजा महोत्सव से पहले यमुना नदी की जल गुणवत्ता में सुधार के संबंध में मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी की ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों के उपायुक्तों के साथ समीक्षा बैठक की और स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी स्थिति में अनुपचारित जल या औद्योगिक अपशिष्ट यमुना नदी में न छोड़ा जाए।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के उपरांत अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी) सतबीर मान ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि यमुना नदी के किनारे स्थित सभी एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) की तकनीकी जांच की जाए और यदि किसी भी इकाई में खराबी या अवरोध पाया जाए तो उसे आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए ताकि किसी प्रकार का अनुपचारित जल या अपशिष्ट नदी में न जाने पाए। उन्होंने कहा कि सभी घाटों की नियमित निगरानी की जाए,

प्राथमिकता के आधार पर दुरुस्त किया जाए। उन्होंने कहा कि छठ पूजा के अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु यमुना तट के किनारे बने घाटों पर स्नान और पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं, इसलिए यमुना नदी के जल की गुणवत्ता मानक स्तर पर बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है।

एडीसी ने संबंधित विभागों को सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाए और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आवश्यक संसाधन जैसे प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा, स्वच्छता और पेयजल आपूर्ति की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। बैठक में सीटीएम अंकित कुमार सहित संबंधित विभागों के अधिकारीगण मौजूद रहे।

जवाहर नवोदय विद्यालय में नशा मुक्ति अभियान, डॉ. अशोक वर्मा ने 66 किलोमीटर साइकिल चलाकर दिया संदेश

Faridabad/Alive News

रविवार को पीएमश्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय में नशा मुक्ति अभियान और प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो द्वारा आयोजित किया गया।

ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी उप निरीक्षक डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने 'नशा मुक्त हो भारत देश, स्वस्थ रहे मेरा प्रदेश' के नारे के साथ लोगों को जागरूक किया। उन्होंने सुबह पुलिस लाइन फरीदाबाद से साइकिल यात्रा शुरू की और चंदावली, मच्छगर, दयालपुर, अटाली और मोढूका गांवों में लोगों को नशा छोड़ने का संदेश दिया। कुल 66 किलोमीटर की दूरी तय करने के बाद वे जवाहर नवोदय विद्यालय पहुंचे।

विद्यालय पहुंचने पर उप प्राचार्य सतीश जैन ने उनका स्वागत किया। इस दौरान 488 विद्यार्थियों, 20 शिक्षकों और 5 कर्मचारियों ने नशा मुक्त भारत की शपथ ली। डॉ. वर्मा ने छात्रों को बताया कि सरकार द्वारा प्रतिबंधित नशे जैसे अफीम, चरस, हेरोइन, स्मैक, एलएसडी, एमडीएमए, नशे की गोलियां और टीके समाज को बर्बाद कर रहे हैं। उन्होंने छात्रों से अपील की कि नशे से जुड़ी कोई भी जानकारी 1933 या

9050891508 पर साझा करें।

अभियान के अंत में नशा मुक्ति विषय पर प्रतियोगिता आयोजित हुई, जिसमें नवम कक्षा की ख्याति प्रथम, देव गौतम द्वितीय और सप्तम कक्षा के आशीष तृतीय स्थान पर रहे। विजेता छात्रों को सम्मानित किया गया।

डॉ. वर्मा ने बताया कि यह अभियान पुलिस अधीक्षक मोहित हांडा के नेतृत्व और डीएसपी गजेंद्र सिंह के पर्यवेक्षण में लगातार चलाया जा रहा है, ताकि फरीदाबाद को नशामुक्त बनाया जा सके।

प्रांतीय अधिवेशन में सर्कल का तमाम कर्मचारी बढ़चढ़कर भाग लेगा: विनोद शर्मा

Faridabad/Alive News

आज एनआईटी फरीदाबाद की डबुआ कॉलोनी एयरफ़ोर्स रोड स्तिथ संजोग गार्डन में हरियाणा स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड वर्कर यूनियन समस्त बिजली कर्मचारियों की एक मीटिंग सर्कल सचिव विनोद शर्मा के नेतृत्व में आयोजित की गयी जिसमे यूनियन की ओर से मंच का सफल संचालन पूर्व सर्कल सचिव सन्तराम लाम्बा एवं एनआईटी के प्रधान लेखराज चौधरी ने किया । चारों यूनिटों के सचिवों सहित मीटिंग में मौजूद फरीदाबाद सर्कल के कर्मचारियों ने प्रदेश कमेटी के आगामी होने वाले चुनाव जो 25 और 26 अक्टूबर को झज्जर सर्कल में होने जा रहे हैं में यशपाल देशवाल के पैनल को अपना पूर्ण समर्थन देते हुए यह संकल्प लिया गया कि फरीदाबाद सर्कल में संगठन की एकता, अनुशासन और मजबूती के लिए कंधे से कंधा मिलाकर इस चुनाव में एक एक वोट को डालते हुए कार्य करेगा।

सभी उपस्थित कर्मचारियों ने यशपाल देशवाल पैनल के पक्ष में

अपने अटूट विश्वास और सहयोग का स्पष्ट प्रदर्शन किया तथा यूनियन को और अधिक सशक्त बनाने के लिए पूर्ण निष्ठा से योगदान देने का संकल्प लिया। कमेटी की ओर से मनोज सैनी, मुकेश भयाना, जसवंत चौहान, मलकीत सैनी, सतेंद्र सहारण, अनिल पहल, विक्रम सांगवान, सचिन भाखर, विक्रम यादव, विकास नेहरा आदि नेताओं का फूलमालाओं से ज़ोरदार स्वागत सम्मान किया गया ।

कमेटी ने अपने मेनिफेस्टो में सभी कर्मचारियों व पेंशनरों को कैशलेस मेडिकल सुविधा दिलाने, कच्चे व पक्के सभी कर्मचारियों को रिस्क एलाउंस भत्ता दिलाने, 200 से 350 किलोमीटर दूर दराज के सर्कलों से काम कर रहे। सभी कर्मचारियों को होम सर्कल घर वापिसी कराने, कच्चे कर्मचारियों को समान काम के बदले समान वेतनमान दिलाने, महंगाई को देखते हुए वर्तमान में मिल रही 80 यूनिट फ्री बिजली के बदले सभी कर्मचारियों को 1000 यूनिट फ्री बिल एलाउंस दिलाने, ऑनलाइन ट्रांसफर पोलिसी की निरस्त करने तथा पूरे प्रदेश के तकनीकी कर्मचारियों के लिये प्रमुखता के साथ सेफ्टी किट दिलाने आदि के मुद्दों पर समस्त कर्मचारियों के बीच वादा किया और कहा आपकी इस चुनाव में जीत के बाद तत्काल प्रभाव से इन्हें लागू करवाने का काम प्रदेश कमेटी द्वारा पूरा किया जाएगा । इस मौके पर भारी संख्या में फरीदाबाद के बिजली कर्मचारी मौजूद रहे ।

भारती और नवदीप चैरिटेबल ट्रस्ट ने रक्तदान एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का किया आयोजन

Faridabad/Alive News

भारती चैरिटेबल ट्रस्ट और नवदीप चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संयुक्त रूप से एक रक्तदान एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन नंगला रोड़ स्थित मॉडर्न केडी पब्लिक हाई स्कूल में किया गया। इस शिविर में रक्तदान के साथ-साथ एचआईवी जांच, नेत्र जांच, दांतों की जांच, एक्स-रे, बीपी और शुगर जांच की सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई गईं।

ट्रस्ट के संस्थापक धर्मेन्द्र नांदल, यशपाल शर्मा और सहयोगी सदस्य मनीष मिश्रा ने बताया कि इस शिविर में बीके सिविल अस्पताल सहित कई सामाजिक संस्थाओं ने सहयोग किया। रक्तदान शिविर में 32 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ। जिला क्षयरोग विभाग की ओर से 80 एक्स-रे जांच की गई, जबकि जिला स्वास्थ्य विभाग द्वारा 23 लोगों की एचआईवी जांच की गई। नेब अस्पताल की टीम ने 70 लोगों की नेत्र जांच कर उन्हें चश्मे वितरित किए। 35 लोगों ने दांतों की जांच करवाई और मैक्स अस्पताल की टीम ने 60 लोगों की सामान्य स्वास्थ्य जांच की। इसके अतिरिक्त मेडिसिन बाबा संस्था की ओर से लगभग 70 लोगों को निःशुल्क दवाइयां वितरित की गई।

इस मौके पर पूर्व विधायक नागेंद्र भड़ाना, पार्षद सुरेन्द्र भड़ाना,

मॉडर्न केडी पब्लिक हाई स्कूल के डायरेक्टर त्रिलोक चंद तंवर, शिक्षाविद् एवं एडवोकेट अमित जैन, संतोष यादव, भुवनेश्वर शर्मा, अखिल भारतीय ब्राह्मण सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेन्द्र शर्मा बबली, लाखन सिंह लोधी, सुनील यादव, प्रधान मामचंद भड़ाना, चेतना पांडे, अमरजीत रंधावा, अवधेश ओझा, भुवन चतुर्वेदी मुख्य रूप से मौजूद रहे। सहयोगी सदस्यों में डॉ मदन पाल रावत, देवेन्द्र शर्मा, सतपाल खत्री, जयकुमार, सुरेन्द्र कुमार, मनजीत, अजय वर्मा, कविता, सूरज कौशिक सहित अन्य लोग मुख्य रूप से मौजूद रहे।

150 लोगों ने निशुल्क जांच शिविर का उठाया लाभ

Faridabad/Alive News

आज रविवार को भोजपुरी अवधी समाज की ओर से डबुआ कॉलोनी स्थित धर्मशाला में निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में लगभग 150 लोगों ने विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। शिविर में शुगर, बीपी, ईसीजी और सामान्य रोग से संबंधित जांच और

परामर्श प्रदान किए गए। इस अवसर पर एसएसबी अस्पताल के फिजिशियन डॉ. अमित ने मरीजों को आवश्यक स्वास्थ्य सुझाव और उपचार संबंधी जानकारी देने के साथ-साथ दवा भी दी। शिविर के सफल आयोजन में भोजपुरी अवधी समाज के संरक्षक रमाकांत तिवारी, अध्यक्ष रघुबर दयाल, प्रचार मंत्री प्रदीप गुप्ता, सोशल मीडिया प्रभारी विनोद गुप्ता, बद्री प्रसाद, चन्द्रशेखर, रामसेवक, रामप्रीत, मदन लाल सहित अन्य लोगों का विशेष सहयोग रहा।

फरीदाबाद में कचरा प्रबंधन में लापरवाही पर एनजीटी का सख्त रुख, मुख्य सचिव समेत कई अधिकारियों को नोटिस

Faridabad/Alive News

राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) की प्रिंसिपल बेंच ने फरीदाबाद में कचरा प्रबंधन में लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए हरियाणा के मुख्य सचिव समेत कई वरिष्ठ अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस (शो-कॉज नोटिस) जारी किया है।

यह कार्रवाई सेक्टर-21ए, बाइपास रोड स्थित डंपिंग साइट पर फैली गंदगी और ठोस कचरा प्रबंधन नियम, 2016 के उल्लंघन के चलते की गई है। एनजीटी की पीठ, जिसमें न्यायमूर्ति अरुण कुमार त्यागी और डॉ. अफरोज अहमद शामिल थे, ने कहा कि अधिकारियों ने 10 सितंबर 2024 को दिए गए आदेशों का पालन नहीं किया और न ही कोई अनुपालन रिपोर्ट सौंपी।

याचिकाकर्ता द्वारा पेश किए गए वीडियो में डंपिंग साइट की खराब स्थिति दिखी जगह-जगह फैला कचरा, टूटी दीवारें और सफाई की पूरी तरह अनदेखी। एनजीटी ने इस स्थिति को ÷सबसे खराब÷ बताया और कहा कि यह जिम्मेदार विभागों और अधिकारियों की जवाबदेही पर सवाल खड़ा करता है। ट्रिब्यूनल ने मुख्य सचिव, नगर निगम फरीदाबाद के आयुक्त, हरियाणा प्रदूषण

नियंत्रण बोर्ड के सदस्य सचिव और फरीदाबाद के उपायुक्त को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

एनजीटी ने चेतावनी दी है कि अगर संतोषजनक जवाब नहीं मिला, तो एनजीटी अधिनियम की धारा 26 के तहत कार्रवाई की जाएगी। अदालत ने यह भी कहा कि यह मामला नागरिकों के स्वच्छ पर्यावरण के अधिकार (संविधान के अनुच्छेद 21) का उल्लंघन है। इस मामले की अगली सुनवाई 30 अक्टूबर 2025 को होगी।

ज्ञान, विज्ञान और अध्यात्म से ही मिल सकती है मानसिक शांति : डॉ. अमृता ज्योति

Faridabad/Alive News

अमृता अस्पताल में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय शांति सम्मेलन में श्रीराम सोसाइटी ऑफ रियल एजुकेशन की चेयरपर्सन डॉ. अमृता ज्योति ने कहा कि बिना मानसिक शांति के कोई भी व्यक्ति या समाज अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकता। उन्होंने कहा कि हमारे ऋषि-मुनियों की परंपराओं में मानसिक संतुलन और ध्यान का गहरा ज्ञान है, जिसे आधुनिक विज्ञान से जोड़कर हम एक नई दिशा दे सकते हैं।

यह सम्मेलन श्रीराम सोसाइटी ऑफ रियल एजुकेशन, इंटरनेशनल यूनाइटेड एजुकेशनिस्ट फ्रेटरनिटी ट्रस्ट और हरियाणा प्रोग्रेसिव स्कूल कॉन्फ्रेंस के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और गुरुवाणी से हुई। देशभर से आए 1500 से अधिक शिक्षकों, प्राचार्यों, अध्यात्म विशेषज्ञों और शिक्षा जगत की प्रतिष्ठित हस्तियों ने इसमें भाग लिया। डॉ. ज्योति ने कहा कि श्री राम मॉडल स्कूल में शिक्षा के साथ-साथ छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और मूल्य आधारित जीवनशैली पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। जीवा स्कूल के अध्यक्ष ऋषिपाल चौहान ने कहा कि शिक्षा केवल जानकारी देने का माध्यम नहीं, बल्कि संवेदनशील और संतुलित व्यक्तित्व निर्माण का साधन होनी चाहिए। दार्शनिक लेखक राहुल अत्रे (ओसियन सेंटर्स यूएन ग्लोबल कॉम्पैक्ट इंडिया) ने कहा कि जब विज्ञान और अध्यात्म साथ चलते हैं, तभी व्यक्ति का सम्पूर्ण विकास

ईश्वर ने कहा कि भारत की आध्यात्मिक परंपरा में आधुनिक मानसिक संकटों का स्थायी समाधान छिपा है। इंडियन नेशनल ह्यूमन राइट्स के चेयरपर्सन एंथोनी राजू ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य, मानवाधिकारों का मूल हिस्सा है, इसलिए हर संस्थान को इस दिशा में काम करना चाहिए। आर्ट ऑफ लिविंग के राष्ट्रीय निदेशक राजीव नांबियार ने योग, ध्यान और प्राणायाम को मानसिक संतुलन के सबसे प्रभावी उपाय बताया। डॉ. रविराज संभव होता है। कवि दिनेश रघुवंशी ने कहा कि शांति की सबसे सुंदर कविता वही है, जो मन के भीतर गूंजती है। आईयूईएफ के अध्यक्ष जयंत चौधरी ने कहा कि यह सम्मेलन शिक्षकों और समाज को मानसिक स्वास्थ्य के महत्व के लिए एकजुट करने का प्रयास है। हरियाणा के मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार राजीव जेटली ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा और मानसिक स्वास्थ्य दोनों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

कार्यक्रम में आर्ट ऑफ लिविंग, ब्रह्माकुमारीज और इस्कॉन के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे, जिन्होंने आयोजन को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। श्री राम स्कूल के छात्रों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से मानसिक शांति का सुंदर संदेश दिया। ÷ट्रीमैन÷ एस.एस. बांगा ने कहा कि प्रकृति से जुड़ाव मानसिक शांति का सबसे सरल मार्ग है। हरियाणा प्रोग्रेसिव स्कूल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष सुरेश चंद्र ने कहा कि शिक्षक समाज की सोच को गढ़ते हैं, इसलिए उनका मानसिक रूप से स्वस्थ होना जरूरी है।एनसीईआरटी की प्रो. सरोज यादव और कौशल विकास मंत्रालय के राजीव पांडे ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य केवल चिकित्सा नहीं, बल्कि शिक्षा, संस्कृति और अध्यात्म के समन्वित प्रयासों से जुड़ा विषय है। एबीवीपी के प्रांत संगठन मंत्री संजय कासवां ने छात्रों से संसाधनों का सावधानीपूर्वक उपयोग करने की अपील की।

कार्यक्रम में स्वागत भाषण हरियाणा प्रोग्रेसिव स्कूल कॉन्फ्रेंस के सुरेश चंद्र ने दिया। इस अवसर पर श्रीराम रियल एजुकेशन सोसाइटी के संजय कक्कड़, जगदीप ग्रोवर और केंद्रीय राज्य मंत्री के सलाहकार पंकज मिश्रा सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

गुरुजी की कमी बिगाड़ सकती है परीक्षा परिणाम का गणित

Faridabad/Alive News

जिले के सरकारी स्कूलों में अध्यापकों की कमी बोर्ड परीक्षा का गणित बिगाड़ सकती है। आधे से अधिक शैक्षणिक सत्र बीत जाने के बाद भी सरकारी स्कूलों में अध्यापकों की कमी दूर नहीं हो पाई है, जिससे सिलेबस पूरा नहीं हो पा रहा है। बोर्ड परीक्षा की तैयारी प्रभावित हो रही है। जल्द सरकार स्कूलों में अध्यापकों की कमी दूर नहीं की गई तो इसका असर बोर्ड परीक्षा पर दिखाई देगा।

बीते कुछ वर्षों में जिला का परीक्षा परिणाम बेहद खराब रहा है। जिला में 378 राजकीय विद्यालय संचालित हो रहे हैं। इनमें लगभग 1.25 लाख से अधिक विद्यार्थी पढ़ते है। इनमें दसवीं से बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों की संख्या करीब 28,000 है। जिला के राजकीय स्कूलों में 30 प्रतिशत अध्यापकों सीटें खाली है।

वर्तमान में सिर्फ 3600 अध्यापक पढ़ा रहे हैं। इसी बीच अध्यापकों की ड्यूटी गैर शैक्षणिक कार्यों में लगा दी जाती है, जिससे विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। स्थिति यह है कि एक एक अध्यापक पर दो दो विषयों और कक्षाओं का अतिरिक्त कार्यभार है।

बीते कुछ वर्षों का रिकार्ड देखा जाए तो हर बार बोर्ड परीक्षा के परिणाम में गिरावट दर्ज की गई है।

केवल कोरोना के समय ही जिला का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा था। क्योंकि कोरोना काल (2021) में सभी विघाथियो को अगली कक्षा में प्रमोट कर दिया गया था। वर्ष 2025 में जिला का बोर्ड परीक्षा का परिणाम 91.63 प्रतिशत रहा था जबकि वर्ष 2024 में 93.38 दर्ज किया गया। 2023 में 67.89 प्रतिशत, 2022 में 84.59 प्रतिशत, 2020 में 81.61 प्रतिशत, 2019 में 67.86 प्रतिशत 2018 में 57.38 प्रतिशत और 2017 में 47.85 प्रशतित परीक्षा परिणाम आया था।

क्या कहना है अध्यापक का

सरकारी स्कूलों से अध्यापकों की कमी दूर होना चाहिए। बच्चे घर आकर बताते है कि एक ही अध्यापक दो दो कक्षाओं को एक साथ बैठाकर पढ़ाते हैं। इससे कोई भी कक्षा ठीक से नहीं पढ़ पाती है। समस्या पर ध्यान देने की जरूरत है।

- शौलेद्री, अभिभावक

ज्यादातर सरकारी स्कूलों में अध्यापकों की कमी है, इसी बीच गैर शैक्षणिक कार्यो में ड्यूटी लगा दी जाती है। जिससे विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित होती है और सिलेबस भी तय समय पर पूरा नहीं होती है। अध्यापकों की ड्यूटी गैर शैक्षणिक कार्यो में नहीं लगनी चाहिए और कभी भी पूरी करने की जरूरत है।

-रघु वत्स, प्रधान, अतिथि अध्यापक संघ।

सरकारी स्कूलों में अध्यापकों की कमी से वाकिफ की ओर से कई बार उच्च अधिकारियों को इस संबंध में लिखा जा चुका है। बीते वर्ष, सरप्लस अध्यापकों की ड्यूटी नजदीकी स्कूलों में लगाई गई थी,ताकि बोर्ड परीक्षा के लिए विद्यार्थियों की अच्छी तैयारी हो सके। जल्द स्कूलों में अध्यापकों की कमी दूर हो सकती है।

-डा. मनोज मित्तल, उप जिला शिक्षा अधिकारी

दीपावली पर जगमगाएगा फरीदाबाद :हर चौक और बाजार सजेंगे रोशनी से - महापौर

Faridabad/Alive News

नगर निगम फरीदाबाद क्षेत्र इस बार दीपावली पर रोशनी से नहाया हुआ नजर आएगा। महापौर प्रवीण बत्तरा जोशी ने बताया कि इस साल की दीपावली पिछले वर्षों से अलग होगी, क्योंकि पूरे शहर के चौराहों, सड़कों और मुख्य बाजारों को सुंदर लाइटों से सजाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि नगर निगम अधिकारियों को इस संबंध में निर्देश दिए जा चुके हैं। कई स्थानों पर रोशनी का काम पूरा हो गया है और बाकी जगहों पर तेजी से कार्य चल रहा है।

महापौर ने कहा कि दीपावली प्रेम, सौहार्द और भाईचारे का पर्व है, इसे शांति और आपसी सहयोग के साथ मनाना चाहिए। उन्होंने बताया कि इस बार दीपावली का महत्व और भी खास है, क्योंकि दीपावली से एक सप्ताह पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हरियाणा सरकार की वर्षगांठ पर राज्य को नई विकास योजनाओं की सौगात देने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि निगम क्षेत्र के सभी चौराहों को दुल्हन की तरह सजाने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि लोगों को यह महसूस हो कि हरियाणा मुख्यमंत्री

नायब सैनी के नेतृत्व में तेजी से विकास की ओर बढ़ रहा है। महापौर ने बताया कि दीपावली के साथ-साथ स्वच्छता अभियान भी चलाया जा रहा है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि जैसे वे अपने घरों की सफाई करते हैं, वैसे ही अपने आसपास के क्षेत्र को भी साफ रखें। उन्होंने कहा कि लोग अपने घर का कचरा निगम के कर्मचारियों या निगम द्वारा तय वैकल्पिक व्यवस्था को ही दें। महापौर ने सभी नागरिकों से आग्रह किया कि इस बार की दीपावली पर 'जगमग और स्वच्छ फरीदाबाद' बनाने में सभी सहयोग करें।

रेखा कादियान को मिला ग्लोबल रोल मॉडल अवार्ड

Faridabad/Alive News

पानीपत जिले के गांव सिवाह की बेटी और फरीदाबाद के सरकारी प्राथमिक विद्यालय मुजेसर (बल्लभगढ़) में सेवाएं दे रही जेबीटी अध्यापिका रेखा कादियान को राह ग्रुप फाउंडेशन ने शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए ग्लोबल रोल मॉडल अवार्ड 2025 से सम्मानित किया गया। यह सम्मान श्रीनगर के ऐतिहासिक लाल चौक के पास पीएम श्री स्कूल में आयोजित भव्य समारोह में प्रदान किया गया। इस दौरान देशभर से आई 61 विभूतियों को भी सम्मानित किया गया।

इस सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि एवं राह ग्रुप फाउंडेशन के चेयरमैन नरेश सेलपाड़ ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में असली परिवर्तन तभी संभव है जब समाज खुद आगे आए। उन्होंने कहा कि पहले के दौर में समाज ने ही स्कूल, बावड़ियां और गुरुकुल बनाकर आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश की थी। आज भी उसी सोच को पुनर्जीवित करने की जरूरत है ताकि हर नागरिक अपने समाज और बच्चों की शिक्षा के प्रति जिम्मेदारी निभा सके।

कार्यक्रम के दौरान चयनित विभूतियों को पुरस्कार के साथ-साथ डल झील, शालीमार बाग, परि महल, गुलमर्ग और पहलगाम जैसे खूबसूरत पर्यटन स्थलों का भ्रमण भी कराया गया।

इस दौरान रेखा कादियान ने कहा कि यह सम्मान न केवल उनका व्यक्तिगत गौरव है बल्कि हर उस अध्यापक की उपलब्धि है जो बच्चों की शिक्षा को खेल-खेल में रोचक बनाने का प्रयास कर रहा है। वे सक्षम हरियाणा और निपुण भारत मिशन के अंतर्गत अपनी स्वरचित कविताओं, बालगीतों और कहानियों के माध्यम से बच्चों को सरल और प्रभावी ढंग से शिक्षित कर रही हैं। उन्होंने दीक्षा पोर्टल, एससीईआरटी और एनसीईआरटी के लिए ई-कंटेंट निर्माण, वीडियो एडिटिंग और पुस्तक लेखन में भी उल्लेखनीय योगदान दिया है। इसके अलावा वे जरूरतमंद बच्चों को शिक्षण सामग्री उपलब्ध करवाने और शिक्षा से वंचित बच्चों को विद्यालय से जोड़ने में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। रेखा ने अपनी सफलता का श्रेय अपने पति संदीप कादियान को देते हुए कहा कि उनके निरंतर सहयोग और प्रोत्साहन ने उन्हें नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। इस अवसर पर देश के विभिन्न राज्यों से आए शिक्षकों और समाजसेवियों ने भी रेखा कादियान को बधाई दी और उनके कार्यों की सराहना की।

सीही स्कूल में पटाखा रहित दिवाली मनाने के लिए संगोष्ठी आयोजित कर रैली निकाली

Faridabad/Alive News

सीही के राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्रांगण में संगोष्ठी आयोजित कर प्रदूषण मुक्त पटाखे रहित दिवाली मनाने के लिए छात्राओं को जनहित सेवा संस्था की टीम ने प्राचार्य डॉ जयप्रकाश वैष्णव की अध्यक्षता में जागरूक किया। इस अवसर पर अध्यापकों व छात्राओं ने गांव में जागरूकता रैली निकालकर ग्रीन व क्लीन प्रदूषण मुक्त पटाखे रहित दिवाली मनाने का संदेश दिया।

इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विद्यालय के प्राचार्य डॉ जयप्रकाश वैष्णव ने कहा कि इस मौसम में प्रदूषण का स्तर बढ़ जाता है। पटाखों से वायु व ध्वनि प्रदूषण होता है। जिससे स्वास्थ्य को खतरा बढ़ता है। पटाखों की बजाय दीयों, फूलों, व प्राकृतिक रंगों से रंगोली बनाकर, घर पर बने पकवान व मिठाईयों का आनंद लेकर, पुरानी परंपरा व संस्कृति की रक्षा करते हुए खिल - बतासे - खिलौने बांटकर दिवाली मनाएं। इस अवसर पर छात्राओं ने कला अध्यापक जावेद शेख व नीलम यादव के सहयोग से पोस्टर, स्लोगन और पेंटिंग, रंगोली प्रतियोगिता कर पटाखे व प्रदूषण मुक्त दिवाली मनाने का संदेश दिया।

संस्था के प्रधान संतसिहं हुड्डा ने कहा कि पटाखे जलाना बेफजूल खर्चा है। सीधा पैसे में आग लगाना है। इससे प्रदूषण फैलता है। शरीर के जलने व अंग भंग होने का भी

खतरा रहता है। दीपावली दीयों का व प्यार - प्रेम का त्योहार है। परिवार के साथ मिलकर पौधारोपण कर उपहार में पौधा भेंटकर नई परंपरा की शुरुआत कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दे।

संस्था के महासचिव सुभाष गहलोत व मुख्य सचिव देविचरण वैष्णव ने कहा कि दिवाली हमें सिखाती है कि जब मन रोशन होता है, जीवन भी चमक उठता है। इस अवसर पर संगोष्ठी व प्रतियोगिता एवं रैली को सफल बनाने में संस्था के महासचिव सुभाष गहलोत, मुख्य सचिव देविचरण वैष्णव, उपाध्यक्ष ओमदत्त शास्त्री, रोहित कुमार, नीलम यादव, निशा, संतोष, जावेद शेख, कमलेश शर्मा ने अहम भूमिका निभाई।

कब है रमा एकादशी, क्या है पूजा विधि और शुभ मुहुर्त जानिए

Faridabad/Alive News

कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी को रमा एकादशी कहा जाता है। यह दिन विष्णु और मां लक्ष्मी को समर्पित है। ऐसा कहा जाता है कि दशमी को व्रत नही रखना चाहिए। जिस दिन पूर्ण एकादशी हो उसी दिन व्रत रखना उत्तम माना जाता है जिसका वर्णन स्कंदपुरण में किया गया है। इस दिन व्रत करने और कथा सुनने से जीवन में सुख - समृद्धि आती है और सभी पापों से मुक्ति मिलती है। एकादशी के पावन अवसर पर व्रत रखे और द्वादशी के दिन पारण करे।

ऐसा कहा जाता है कि जो त्रियोदशी युक्त होती है वो शुभ मानी जाती है। इस दिन पारण करना भी उत्तम रहता है इसलिए रमा एकादशी 17 अक्टूबर 2025 को रखा जाएगा। दरअसल इस बार एकादशी तिथि 16 अक्टूबर 2025 को सुबह 10 बजकर 35 मिनट से शुरू हो रही है, वही एकादशी तिथि का समापन 17 अक्टूबर 2025 को सुबह 11 बजकर 10 मिनट पर होगा। ऐसे में 17 अक्टूबर को एकादशी का व्रत रखा जाएगा।

क्या करें उपाय रमा एकादशी पर

रमा एकादशी पर खास तौर पर तुलसी माता की पूजा की जाती है। ऐसा कहा जाता है कि इस दिन तुलसी की मंजरी भगवान विष्णु को अर्पित करना चाहिए। इससे भगवान विष्णु प्रसन्न होते है। इसके अलावा कार्तिक मास में आंवले की भी पूजा की जाती है।

क्या है रमा एकादशी की विशेषता

एकादशी तिथि को आंवले से स्नान करने पर भगवान विष्णु संतुष्ट होते है। जो मनुष्य आंवले की छाया में बैठकर पिंडदान करता है। करता है, उसके पितर मोक्ष पाते है। इसके नीचे बैठकर खाना खाएं और किसी ब्राह्मण को भी खिलाएं।

क्या है पारण का समय

रमा एकादशी को पारण का

समय 18 अक्टूबर को सुबह 6 बजकर 24 मिनट से 8 बजकर 41 मिनट तक रहेगा।

क्या है रमा एकादशी की पूजा विधि

रमा एकादशी के दिन सुबह स्नान करके पीले या सफेद वस्त्र धारण करें। पूजा स्थल के गंगाजल से पवित्र करें।

भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की प्रतिमा स्थापित करें। क्षी हरि को चंदन, फूल, तुलसी पत्र, धूप और दीप अर्पित करे इस दोरान ओम नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जाप करें। क्षीसूक्त या विष्णु सहस्त्रनाम के पाठ का इस दिन विशेष महत्व होता है।

क्या है रमा एकादशी का महासंयोग

ज्योतिषियों का मानें तो रमा एकादशी के दिन शिववास और शुक्ल योग समेत कई मंगलकारी संयोग बन रहे है। इन योग में लक्ष्मी नारायण जी की पूजा करने से साधक को मनोवांछित फल प्राप्त होगा साथ ही साधक पर लक्ष्मी नारायण जी की कृपा बरसेगी।

रमा एकादशी का महत्व

शास्त्रों के अनुसार रमा एकादशी का व्रत करने से व्यक्ति को हजार अश्वमेध यज्ञ के समान फल की प्राप्ति होती है। इस व्रत को करने से व्यक्ति के जीवन के सभी पापों का नाश होता है। रमा एकादशी के दिन अनाज, प्याज,लहसुन और सरसों के तेल का सेवन वर्जित होता है। दिन भर व्रत रखकर महिलाएं शाम को भगवान विष्णु का पूजा करती है और रमा एकादशी की कथा सुनती है। अगले दिन शुभ मुहूर्त में जल अर्पित कर व्रत खोला जाता है।

क्या है रमा एकादशी का मंत्र

ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय।
ऊँ क्षीं ह्रीं क्षी महालक्ष्म्यै नमः।

भाजपा के दो पार्षद पर डॉग लवर महिला ने लगाये गंभीर आरोप, न्याय के लिए पहुंची सीपी ऑफिस

Faridabad/Alive News

शिव दुर्गा बिहार लक्कड़पुर निवासी महिला मन्नी सिंह ने पुलिस आयुक्त को दी शिकायत में आरोप लगाया कि आरएसएस के कुछ लोगों ने पहले उनके पालतू कुत्ते को जान से मारा, अब वह उसे और उसके परिवार को घर छोड़ने के लिए मजबूर होने की धमकी दे रहे हैं। मन्नी ने कहा कि धमकी के बाद उनका परिवार डर के साए में है, क्योंकि भाजपा के दो पार्षद सहित आरएसएस के करीब पांच लोगों ने घर छोड़ने के लिए मजबूर करने की धमकी दी है। इसके अलावा महिला के घर पर हमला करने वाले लोगों ने भी उन्हें धमकी दी हुई है कि जैसा कुत्ते का हाल किया था जल्द वैसा ही हाल महिला का भी करेंगे। इन धमकियों से डर कर महिला ने पुलिस आयुक्त को शिकायत देकर परिवार की सुरक्षा और न्याय की गुहार लगाई है। महिला ने भाजपा के वार्ड नंबर 23 के पार्षद गजेंद्र भड़ाना (लाला) और भाजपा के वार्ड 22 के पार्षद हरेंद्र भड़ाना पर भी आरोप लगाया कि पार्षदों ने उन पर हमला, छेड़छाड़, और मारपीट करने वाले लोगों का साथ देते हुए उस पर जबरदस्ती दबाव डालकर कैसे खत्म कराने की कोशिश व धमकाया है। महिला मन्नी सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में यह भी आरोप लगाया कि सूरजकुंड थाने की पुलिस और चौकी के पुलिसकर्मियों ने उनके साथ हुए दुर्व्यवहार, छेड़छाड़ के मामले में आरोपी सुजीत पटेल, ओम प्रकाश, मुकेश, विनोद कुमार और पंडित सहित अन्य के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की।

पीड़ित महिला ने यह आरोप लगाये कि दोनों पार्षदों के दबाव में आकर पुलिस ने आरोपियों की मदद की और उल्टा उन्हीं के लोगों पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। मन्नी सिंह ने बताया कि हर रोज की तरह वह 10 सितंबर 2025 को भी अपने कुत्ते घुमाने के लिए जंगल में निकली थी। जब वह जंगल में अपने कुत्तों को घुमा रही थी तो उन्हें वहां नौ पुरुषों का समूह मिला जो खुद को आरएसएस को कार्यकर्ता बता रहे थे। जिनमे से एक का नाम सुजीत पटेल, ओम प्रकाश, मुकेश, विनोद कुमार, पंडित आदि था।

आरोप है कि सभी लोगों ने शिकायतकर्ता के साथ मारपीट कर उससे छेड़छाड़ की। इस दौरान हमलावरों ने उसके साथ में पालतू कुत्तों को डंडे से मारना शुरु कर दिया। जिस कारण उनमे से एक कुत्ते की मौत हो गई। इसके बाद से ही महिला काफी डरी और सहमी हुई है। शिकायतकर्ता महिला न्याय के लिए चौकी इंचार्ज से लेकर सूरजकुंड थाना एसएचओ, एनआईटी डीसीपी और पुलिस कमिश्नर फरीदाबाद को लिखित रूप में शिकायत देकर न्याय की गुहार लगा चुकी है।

उन्होंने बताया कि 10 सितंबर की रात के करीब दस बजे शिकायतकर्ता महिला के घर पर करीब सौ महिला - पुरुषों पहुंचे और उनके घर को घेर लिया था। इस भीड ने उसके परिवार के साथ मारपीट की। जिसका वीडियो शिकायतकर्ता के पास है। इस घटना के बाद वह लोग अपनी शिकायत को लेकर सूरजकुंड थाना पहुंचे और आरोपियों के खिलाफ शिकायत देकर कार्यवाही की मांग की, लेकिन आज तक कोई कार्यवाही नहीं हुई।

शिकायत के अगले दिन थाना प्रभारी प्रहलाद सिंह और मामले के जांच अधिकारी फुल सिंह एक महिला पुलिस कर्मी सहित उनके घर पहुंचे तथा उसे घर से अपने साथ लेकर झगड़े वाले स्थान पर लेकर गए जहां उनके बयान दर्ज किये थे।

शिकायतकर्ता महिला ने थाना प्रभारी से गुहार लगाते हुए कहा कि उसे परिवार की जान जाने का खतरा है। शिकायतकर्ता महिला का यह भी आरोप है कि आरोपियों में आरएसएस और भाजपा के दबंग लोग है जो लोग उनके घर पर हमला करने आए थे। उनमें से ज्यादातर लोग बीजेपी पार्षद गजेंद्र भड़ाना (लाला) और पार्षद हरेंद्र भड़ाना के लोग हैं।

पीड़ित महिला ने अपनी शिकायत में पुलिस कमिश्नर से गुहार लगाई कि आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाये और उनके परिवार की सुरक्षा की जाये।

क्या कहना है पार्षदों का

मेरा इस मामले से कोई लेना देना नहीं है। मुझे जानकारी मिली थी कि कोई डॉग लवर महिला संघ की शाखा जहां लगती है उस मैदान पर कुत्तों को ले जाकर घूमती है और गंदगी फैलवती है।जब इस महिला को रोकने की कोशिश की गई तो शाखा प्रमुख और उस महिला में विवाद हो गया था। पता चला कि इस मामले की कार्यवाही थाने में दोनों पार्टियों के खिलाफ चल रही है। मेरा इस मामले से कोई लेना देना नहीं है।

गजेंद्र भड़ाना (लाला) , पार्षद वार्ड 23

जो भी महिला ने आरोप लगाए है वो बेबुनियाद है। हां, मुझे महिला के भाई ने ही इस मामले के फैसले के लिए घर पर बुलाया था लेकिन वहां पर दोनों पार्टियों में समझौता नहीं हुआ फिर मुझे किसी से पता चला कि दोनों पक्षों में फिर से झगड़ा हुआ है। इसके बाद फैसले के लिए मुझे चौकी में बुलाया गया था लेकिन वहां पर भी उनका फैसला नहीं हुआ। फिर मैं वहां से निकलकर आ गया था, उसके बाद मुझे नहीं पता की क्या हुआ।

सज गई दुकाने, लौट आई बाजारों की रौनक, लोग जोरो - शोरों से कर रहे है खरीदारी

Faridabad/Alive News

दीपों के त्योहार दिवाली को लेकर शहर के बाजारों में इन दिनों रौनक देखने लायक है। जगह-जगह

सजे बाजारों में खरीदारी करने वाले लोगो की भीड़ भारी संख्या में उमड़ रही है। मिठाई, सजावट के समान, कपड़े, बर्तन, इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएं और उपहार की दुकानों पर ग्राहकों की खूब चहल-पहल बनी हुई है।

फरीदाबाद एनआईटी एक नंबर मार्केट में सुबह ग्यारह बजे से ही लोग दिवाली के लिए दिये, मोमबत्ती, झालर, रंगोली के रंग और लक्ष्मी गणेश की मूर्ति की खरीदी करते हुए नजर आए। मार्केट में जगह - जगह दुकानों पर पचास प्रतिशत, तीस प्रतिशत और सत्तर प्रतिशत मुफ्त की स्कीम के पोस्टर लगे हुए है। सिलेक्शन फैमिली वेयर शोरूम, साड़ी महल और चांदनी चौक साड़ी पर महिलाओं व लड़कियों की भीड़ देखी गई। जगह - जगह रंगोली के रंग और मोल्ड दुकानदारों द्वारा बेचे जा रहे है।

उनकी फूलों और झालरों की दुकान पर सुबह ग्यारह से रात ग्यारह बजे तक भीड़ रहती है इस दौरान एक मिनट के लिए भी सांस लेने तक का समय नहीं मिल रहा है। इस बार महिलाओं के साथ-साथ पुरुष भी दिवाली की खरीदारी करने के लिए अपनी पत्नी के साथ आ रहे है।- **पंकज, दुकानदार**

मैं दस साल का हूं और मेरे घर में आर्थिक मजबूरी चल रही है जिस कारण मैं छह दिन से अपनी रंगोली की दुकान इस एक नंबर मार्केट में लगा रहा हूं हर दिन कम से कम छह सौ से सात सौ तक की बिक्री हो जाती है लेकिन आज एक बज गया अभी तक कोई बिक्री नहीं हुई कोई भी ग्राहक नहीं आया हालांकि आगे बिक्री होने की संभावना भी है।

-सैफ अली खान, दुकानदार पंकज, दुकानदार

बाजार में लगातार बढ़ती लोगो की भीड़ के कारण ट्रैफिक व्यवस्था बाधित होती नजर आई और वाहनों का जमावड़ा लग गया।

क्या कहना है लोगों का

दिवाली पर घर सजाने से लेकर मिठाई बांटने तक हर चीज में खुशी का एहसास होता है खरीदारी के बिना त्योहार अधूरा लगता है।

रोशनी, स्थानीय निवासी बल्लभगढ़

मैं हर साल दिवाली और छट की खरीदारी करने के लिए एक नंबर मार्केट में आता हूं और हर साल मुझे यहां कुछ नया देखने को मिलता है जैसे पानी से जलने वाला दिया और पन्नी के फूलों की लड़ी जो घर व गेट को सजाने के लिए बहुत काम आती है।

हिमांशी, स्थानीय निवासी बड़खल

दिवाली के पावन अवसर पर दुकानदारों के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही है क्योंकि इस बार पिछले साल की तुलना में बिक्री में अच्छा इजाफा देखने को मिल रहा है।

क्या कहना है दुकानदारों का

वह पांच साल से इस एक नंबर मार्केट में अपनी दुकान लगा रही है और हर साल उन्हें पिछले साल के मुकाबले ज्यादा मुनाफा होता है लोगों का रुझान इस बार खासकर सजावट और लाइटिंग के सामान की ओर ज्यादा है। उन्हें बिक्री में पिछले साल के मुकाबले इस साल करीब 30 प्रतिशत बढ़कर मुनाफा होने की संभावना है।

खुशी, दुकानदार

सेक्टर 14 में आईडीएफसी बैंक की नई शाखा से व्यापारिक गतिविधियों को मिलेगा बढ़ावा : बी.आर. भाटिया

Faridabad/Alive News

सेक्टर 14 में बुधवार को आईडीएफसी बैंक की नई शाखा का उद्घाटन सी. दास ग्रुप के चेयरमैन बी.आर. भाटिया ने रिबन काटकर और दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर सी. दास ग्रुप के प्रबंध निदेशक आर.के. भाटिया भी मौजूद रहे। इस मौके पर बी.आर. भाटिया ने कहा कि बैंकिंग सेवाओं की आसान उपलब्धता किसी भी क्षेत्र के आर्थिक विकास की रीढ़ होती है। सेक्टर 14 में खुली आईडीएफसी बैंक की इस नई शाखा से व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। आज के युग में डिजिटल बैंकिंग केवल सुविधा नहीं, बल्कि समय की आवश्यकता है। आईडीएफसी बैंक जैसी संस्थाएं न सिर्फ वित्तीय सेवाएं देती हैं, बल्कि लोगों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में अहम भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा कि फरीदाबाद उद्योग और व्यापार का केंद्र बड़ा है। ऐसे में बैंकिंग संस्थाओं की सक्रिय भूमिका इस विकास यात्रा को और रफ्तार देगी। इस मौके पर शाखा प्रबंधक अजयेश ने बताया कि फरीदाबाद में यह आईडीएफसी बैंक की आठवीं शाखा है और बहुत जल्द सेक्टर

29 में एक और नई शाखा भी खोली जाएगी। उन्होंने कहा कि इस नई शाखा के माध्यम से ग्राहकों को तेज़, सुरक्षित और आधुनिक बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। बैंक प्रबंधन के अनुसार, नई शाखा में अत्याधुनिक तकनीकी सुविधाएं जैसे डिजिटल लेनदेन, नकद निकासी और जमा, ऋण सेवाएं एवं अन्य बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध होंगी साथ ही, प्रशिक्षित स्टाफ ग्राहकों को बेहतर सेवा अनुभव प्रदान करेगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस नई शाखा से क्षेत्र की आर्थिक और सामाजिक गतिविधियों को नई दिशा मिलेगी।

'सतर्क' चैटबॉट के जरिये भ्रष्टाचार पर कसेगा शिकंजा

Faridabad/Alive News

हरियाणा राज्य सतर्कता एवं निरोधक ब्यूरो ने राज्य में पारदर्शिता, जवाबदेही और भ्रष्टाचार के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एक नई डिजिटल पहल की शुरुआत की है। ब्यूरो ने एआई आधारित व्हाट्सएप चैटबॉट 'सतर्क' लॉन्च किया है। यह चैटबॉट नागरिकों को ब्यूरो की कार्य प्रणाली और भ्रष्टाचार निरोधक प्रक्रियाओं से जुड़ी जानकारी सरल एवं सुरक्षित माध्यम से उपलब्ध कराएगा। आमजन अब भ्रष्टाचार से संबंधित जानकारी, शिकायत प्रक्रिया, ब्यूरो की भूमिका और संपर्क विवरण जैसी जानकारियां आसानी से प्राप्त कर सकेंगे। नागरिक 'सतर्क' चैटबॉट से जुड़ने के लिए क्यूआर कोड स्कैन कर सकते हैं या ब्यूरो की आधिकारिक वेबसाइट acb.haryana.gov.in पर जाकर आवश्यक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। यह सेवा हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में उपलब्ध है तथा पूर्णतया उपयोगकर्ता अनुकूल है। इस पहल का उद्देश्य शासन प्रणाली में पारदर्शिता को बढ़ावा देना और जनता को भ्रष्टाचार के विरुद्ध सशक्त बनाना है। हरियाणा सरकार का मानना है कि 'सतर्क' जैसी पहले ई-गवर्नेंस को गति देने के साथ-साथ उत्तरदायी एवं ईमानदार प्रशासन की स्थापना में सहायक सिद्ध होंगी।

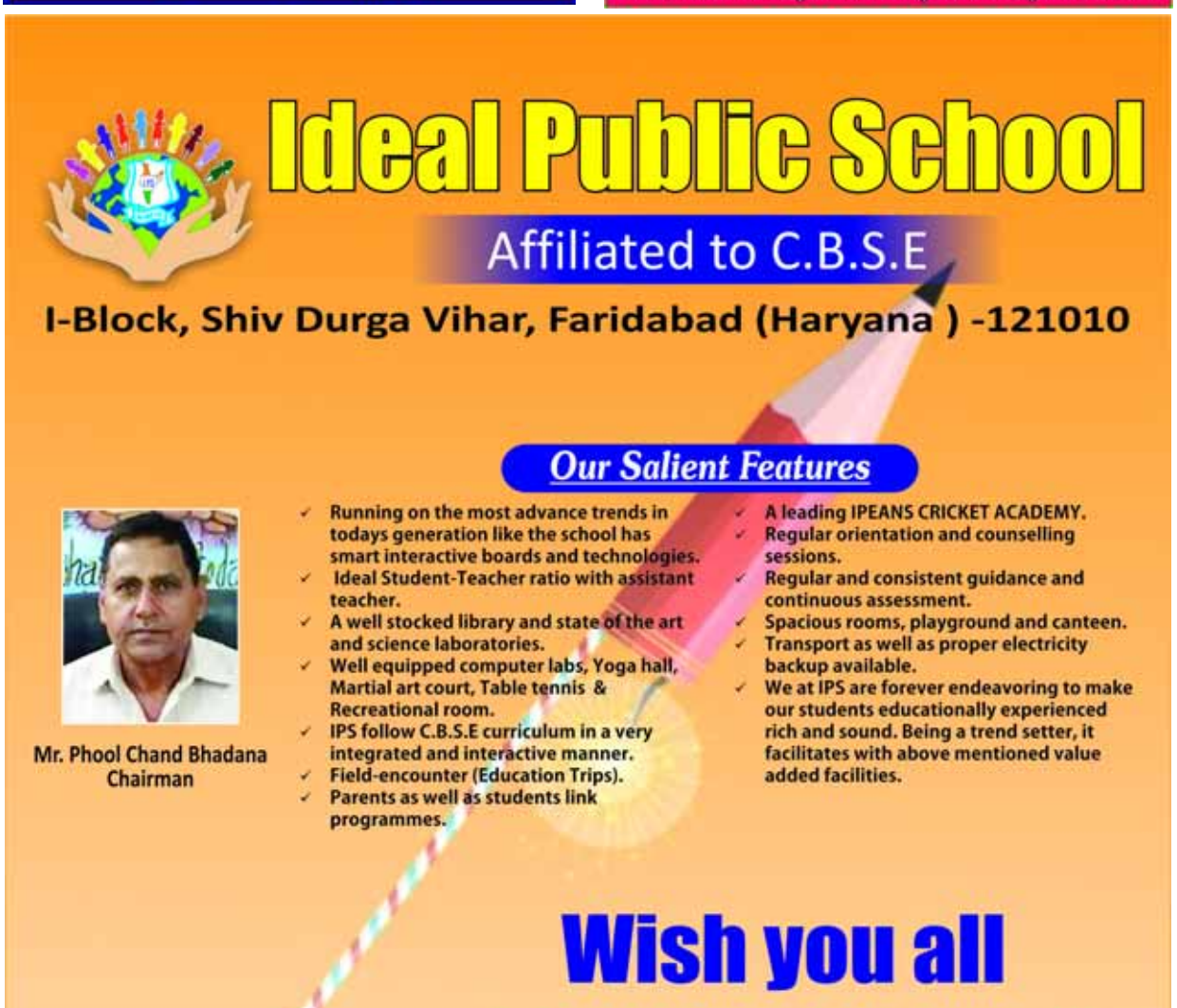

Printed, Published & Owned By : Tilak Raj and Printed at The M/s AGS Publication, D-67, Sector-6, Noida, U.P. -201301, From 547, Nangla Enclave, Part-1, N.I.T., Faridabad(Hr.), Editor : Tilak Raj, Ph : 0129-4070270, 9891639448